PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 202 ● भिलाई, सोमवार 16 फरवरी 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

पहला कॉलम

भाषण के दौरान शख्स की हार्ट अटैक से मौत

नई दिल्ली। तमिलनाडु के सलेम में उस वक्त मातम पसर गया, जब अभिनेता से नेता बने और तमिझागा वेत्री कड़गम के प्रमुख विजय की रैली के दौरान एक व्यक्ति की दुखद मौत हो गई। सलेम पुलिस के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि रैली के दौरान भीड़ में मौजूद एक शख्स को दिल का दौरा पड़ा था, जिसके चलते उसकी जान चली गई। यह घटना तब हुई जब एक्टर विजय मंच से जनसभा को संबोधित कर रहे थे। पुलिस के मुताबिक, मृतक सलेम के सेव्वैपट्टाई इलाके का रहने वाला था। वह पेशे से एक मजदूर था और चांदी से जुड़े काम करता था। जानकारी के अनुसार, वह विजय का समर्थक था और जनसभा में एक दर्शक के तौर पर शामिल होने आया था। भाषण सुनने के दौरान वह अचानक जमीन पर गिर पड़ा। वहां मौजूद लोगों और सुरक्षाकर्मियों ने उसे आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिवार में उसकी पत्नी और एक बच्चा है।

दलित विरोधी कांग्रेस' के खिलाफ आप ने पंजाब भर में किए विरोध प्रदर्शन

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब ने शुक्रवार को कांग्रेसी नेता और विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा द्वारा पंजाब के कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ई.टी.ओ. के खिलाफ की गई शर्मनाक, जातिवादी और अपमानजनक टिप्पणियों के विरोध में पूरे राज्य में जोरदार प्रदर्शन किए। पार्टी ने कहा कि यह सिर्फ एक मंत्री का ही नहीं, बल्कि समूचे दलित समुदाय और अपनी रोजी-रोटी इज्जत से कमाने वाले मेहनतकश लोगों और मजदूरों का अपमान है। इन प्रदर्शनों में 'आप' नेताओं, मंत्रियों, विधायकों, पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय निवासियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। प्रदर्शनकारियों ने दलित-विरोधी कांग्रेस मुर्दाबाद और बाजवा मुर्दाबाद के नारे लगाए और मांग की कि बाजवा और कांग्रेस नेतृत्व दलित समुदाय और सभी मेहनतकश लोगों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगे। आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब के मीडिया प्रभारी बलतेज पन्नू ने दावा किया।

शादी समारोह से लौट रहे युवकों की स्कॉर्पियो पेड़ से टकराई

सोनीपत। हरियाणा के सोनीपत में देर शाम एक भीषण सड़क हादसे में स्कॉर्पियो सवार चार युवकों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी युवक रोहतक से शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे। रास्ते में उनकी स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। जबकि एक युवक सुरक्षित बच गया। घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। सूचना मिलने पर पुलिस भी पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद कार से शवों और घायलों को बाहर निकाला।

रिफार्म एक्सप्रेस ने बड़ी प्रगति की

पर मैं स्वभाव से पूरी तरह संतुष्ट होने वालों में नहीं-पीएम मोदी..

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बजट सत्र के पहले चरण के बाद अपने पहले इंटरव्यू में कई अहम बदलावों पर बात की है। पीएम ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को दिए इंटरव्यू में कहा कि मौजूदा सरकार ने सुधार को लेकर जो प्रतिबद्धता जताई थी, वह हमने अपने शब्दों और कार्यों के जरिए दर्शाया है। पीएम ने निजी सेक्टर के महत्व को भारत की विकास यात्रा का एक अहम साथी करार दिया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का अगला चरण इस बात पर निर्भर होगा कि निजी सेक्टर उन्नयन, लंबी अवधि की क्षमताएं पैदा करने और वैश्विक प्रतियोगिता में कितना बेहतर ढंग से निवेश करता है। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि रिफॉर्म एक्सप्रेस ने बड़े स्तर पर प्रगति की है, लेकिन मेरा स्वभाव पूरी तरह संतुष्ट होने वालों में से नहीं है। पीएम मोदी ने कहा कि आर्थिक परिवर्तन के अगले चरण के लिए निजी क्षेत्र की भूमिका निर्णायक है और उन्होंने उनसे एक सशक्त प्रतिक्रिया की अपील की है। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र को केवल अपने मुनाफे को बचाने पर कम ध्यान देना चाहिए और इसके बजाय अनुसंधान एवं विकास (रिसर्च एंड डेवलपमेंट), सप्लाई चेन और गुणवत्ता पर आक्रामक रूप से निवेश करना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत की ओर अगला कदम इस बात पर निर्भर होगा कि निजी क्षेत्र नवाचार, दीर्घकालिक क्षमता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में कितना साहसिक निवेश पर करता है। पीएम ने यह भी कहा कि जैसे-जैसे उत्पादकता बढ़ती है, निजी क्षेत्र के मालिकों को अपने लाभ को श्रमिकों के साथ उचित तरह से साझा करना चाहिए। पीएम मोदी के मुताबिक, भारत कंप्यूटिंग पावर और डाटा सेंटर बुनियादी ढांचे की क्षमता का विस्तार करके एक समृद्ध एआई (कृत्रिम बुद्धिमता) इकोसिस्टम की नींव रख रहा है। उन्होंने आगे कहा, डाटा सेंटर हमारे युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा करने वाले साबित होंगे; हम पूरी दुनिया के डेटा को भारत में रखने के लिए आमंत्रित करते हैं। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि यूपीआई जैसे प्लेटफॉर्म के जरिए लेनदेन के तरीके में आए मौलिक सुधारों ने भारत को दुनिया में एक डिजिटल लीडर बना दिया है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि 'विकसित भारत' की ओर अगला कदम नवाचार, दीर्घकालिक क्षमता और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता में निजी क्षेत्र द्वारा किए गए साहसिक निवेश पर निर्भर करेगा।

पीएम का इंटरव्यू 'इमेज मैनेजमेंट' की कोशिश जयराम रमेश.....

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया इंटरव्यू को लेकर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने तीखा हमला बोला है। उनका कहना है कि इस साल का केंद्रीय बजट कमजोर साबित हुआ है और इससे सरकार की नीतियों में थकान साफ दिखाई देती है। जयराम रमेश के अनुसार, बजट पेश होने के बाद बाजारों की प्रतिक्रिया नकारात्मक रही और निवेशकों पर

इसका खास असर नहीं पड़ा। इसी वजह से प्रधानमंत्री ने बजट के करीब दो हफ्ते बाद इंटरव्यू दिया। उनका कहना है कि यह इंटरव्यू ऐसे समय आया है, जब संसद में भी बजट की कड़ी आलोचना हुई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री के इंटरव्यू में ठोस जवाबों की जगह सिर्फ आकर्षक 'वन-लाइनर' बातें थीं, जिनका जमीन पर ज्यादा मतलब नहीं है। उनका कहना है कि यह कोई स्वतंत्र इंटरव्यू नहीं था, बल्कि पहले से तय सवाल-जवाब वाला एक 'पीआर अभ्यास' था। जयराम रमेश ने यह भी कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर सरकार दबाव में है। उनका आरोप है कि इस समझौते में किसानों के हितों से समझौता किया गया है।

रहमान पर इतना प्यार क्यों बरसा रहीं ममता

पहले बताया भाई अब गुलदस्ता और मिठाई भेजकर दी बधाई....

नई दिल्ली/ एजेंसी

तारिक रहमान की पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने बांग्लादेश चुनावों में ऐतिहासिक जीत हासिल की है। वह 17 फरवरी को प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। जिसके लिए दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्षों को न्योता भेजा गया है। इस बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने फूल और मिठाई भेजकर तारिक रहमान को उनकी जीत की बधाई दी है। बीएनपी अध्यक्ष के दफ्तर ने बताया कि शनिवार को पार्टी के मीडिया सेल के सदस्य अतीउर रहमान रुमन ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के द्वारा भेजा गया गुलदस्ता और मिठाई प्राप्त की है। इसके पहले तारिक रहमान को भाई बताते हुए ममता बनर्जी ने उन्हें जीत की बधाई दी थी। इससे पहले शुक्रवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तारिक रहमान को चुनावी जीत पर बधाई देते हुए उन्हें 'तारिक भाई' कहा था। उन्होंने लिखा कि मेरे सभी भाइयों और बहनों और बांग्लादेश के लोगों को दिल से बधाई। सभी को रमजान मुबारक। मेरे भाई तारिक उनकी पार्टी और सभी पार्टियों को इस शानदार जीत के लिए बधाई। ममता बनर्जी का यह कदम तारिक रहमान को चुनावी जीत की बधाई से कहीं ज्यादा समझा जा रहा है। यह दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और भौगोलिक संबंधों को मजबूत करने की कोशिश को भी दिखाता है। आने वाले समय में पश्चिम बंगाल में भी विधानसभा चुनाव होने हैं। पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश में भौगोलिक और सांस्कृतिक समानता है। ऐसा माना जाता है कि पश्चिम बंगाल में तमाम परिवार ऐसे हैं जिनका बांग्लादेश से संबंध है। ऐसे में ममता बनर्जी बांग्लादेश की नई सरकार को बधाई देकर उसके प्रति अपना प्रेम जाहिर कर रही हैं।

सीएम पर साधा निशाना, भड़क गए संत

भगवा चोला पहनने से कोई योगी नहीं बन जाता-यादव

नई दिल्ली/ एजेंसी

उत्तर प्रदेश के सियासी अखाड़े में इन दिनों भगवा और योगी की परिभाषा को लेकर घमासान छिड़ा है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर अब तक का सबसे तीखा हमला बोलते हुए उनकी धार्मिक पहचान और उनके योगी होने पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं। अखिलेश के बयान ने राज्य की राजनीति के साथ संत समाज में भी उबाल ला दिया है। उन्नाव में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अखिलेश यादव ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के मुद्दे को हवा देते हुए सीधे मुख्यमंत्री को घेरा। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म में भगवा वस्त्रों का बेहद सम्मान है, लेकिन केवल चोला ओढ़ लेने या कान छिदवा लेने से कोई योगी नहीं बन जाता। गीता और गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं का हवाला देते हुए अखिलेश ने तर्क दिया कि किसी व्यक्ति में सांसारिक इच्छाएं शेष हैं तो वह योगी कहलाने का अधिकारी नहीं है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जिस सरकार में पूजनीय शंकराचार्य को गंगा स्नान से रोका जाए, वह पाप की भागी है। अखिलेश यादव की इस टिप्पणी पर अखिल भारतीय संत समिति ने कड़ा ऐतराज जताया है। समिति के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने दो टूक शब्दों में कहा कि अखिलेश यादव को भाषाई मर्यादा नहीं लांघनी चाहिए। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि योगी आदित्यनाथ जी को अखिलेश यादव के सर्टिफिकेट की आवश्यकता नहीं है। अखिलेश अपने पिता की विरासत पर राजनीति कर रहे हैं। यह पूरा संग्राम प्रयागराज के माघ मेले से शुरू हुआ, जहां शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को संगम स्नान पर जाने से पुलिस ने रोक दिया था। इसके बाद प्रशासन ने उनके शंकराचार्य पद की प्रमाणिकता पर सवाल उठाते हुए नोटिस जारी कर दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी विधानसभा में स्पष्ट किया था ।

जिन्न का डर दिखा तांत्रिक ने महिलाओं को बनाया हवस का शिकार

पश्चिमी दिल्ली। पश्चिम विहार ईस्ट थाना क्षेत्र के पीरागढ़ी इलाके में कार से तीन शव मिलने के सनसनीखेज मामले में हर दिन नए और चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। पुलिस पूछताछ में आरोपी झाड़-फूंक करने वाला कमरुद्दीन न सिर्फ हत्या बल्कि महिलाओं के साथ शोषण और अंतरराज्यीय ठगी नेटवर्क चलाने का भी दोषी पाया गया है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया है कि वह दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान सहित कई राज्यों में 'जिन्न से मिलाने' और 'धनवर्षा' का झांसा देकर परिवारों को अपना शिकार बनाता था।

वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट निर्माण को लेकर पुलिस-ग्रामीणों में झड़प, 30 से अधिक लोग घायल

गाजियाबाद। लोनी के ट्रॉनिका सिटी थाना क्षेत्र के मीरपुर हिंदू गांव में निर्माणाधीन सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट का विरोध कर रहे ग्रामीणों और पुलिस की टीम में झड़प हो गया। ग्रामीण पर निर्माण कार्य को रोकने और प्लांट के धरना पर बैठने की कोशिश के दौरान पुलिस ने लाठीचार्ज किया। जिसमें महिला समेत 30 से अधिक ग्रामीण चोटिल हो गए। पथराव के दौरान दो पुलिस कांस्टेबल भी घायल हो गए। मीरपुर समेत आसपास गांव के ग्रामीण करीब डेढ़ माह से निर्माणाधीन सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट का विरोध कर रहे थे। रविवार

को ग्रामीण प्लांट का निर्माण कार्य शुरू होने पर पुलिस के अधिकारियों को ज्ञापन देने के लिए प्लांट पर गए थे। पुलिस के अधिकारियों को ज्ञापन देकर ग्रामीण प्लांट के गेट पर लगे ताले तोड़कर जबरन काम बंद कराने और प्लांट के अंदर ही धरने पर बैठने की जीद करने लगे। पुलिसकर्मियों ने ग्रामीणों को रोकने की कोशिश की। डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्र नाथ तिवारी ने बताया कि पुलिस ने ग्रामीणों को रोकने की कोशिश की। इस दौरान पुलिस की टीम पर हमला कर दिया। पुलिस पर पथराव किया गया। पथराव में दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर ग्रामीणों को हटाने की कोशिश की। धरना प्रदर्शन कर रहे रवींद्र त्यागी ने बताया कि ग्रामीणों को आश्वासन दिया गया था। जब तक ग्रामीणों की समस्या का समाधान नहीं होता, तब तक प्लांट का निर्माण कार्य शुरू नहीं होगा। इसके बाद भी प्लांट का कार्य चल रहा था। इसके विरोध में ग्रामीणों ज्ञापन देने और काम को बंद करने के लिए गए थे। ग्रामीण प्लांट के अंदर धरने पर बैठने के लिए आए थे।

लखनऊ के गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ.

दिग्गज नेता ने छोड़ा कमल का साथ

अरविंद खन्ना में थामा अकाली दल का हाथ

नई दिल्ली। पंजाब में बीजेपी को बड़ा झटका लगा है। शिरोमणि अकाली दल और बीजेपी में गठबंधन की चर्चा के बीच बड़ी सियासी खबर सामने आई है। रविवार (15 फरवरी) को पंजाब बीजेपी के उपाध्यक्ष और बिजनेसमैन और पूर्व विधायक अरविंद खन्ना बीजेपी छोड़ कर शिरोमणि अकाली दल में शामिल हो गए। पार्टी अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने संगरूर में उन्हें अकाली दल में शामिल करते हुए उनका

स्वागत किया। बता दें कि अरविंद खन्ना दो बार के विधायक रह चुके हैं। इससे पहले वह कांग्रेस पार्टी में भी रह चुके हैं।

महाराजा भी टेकते थे मत्था

इस प्राचीन शिव मंदिर में पूजा करने से महिलाओं की भरती है सूनी गोद

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के मंदिरों में महाशिवरात्रि का पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया जा रहा है। सभी शिवालय आज शिवमय हैं। रायपुर के शिव मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी जा रही है। सुबह चार बजे से ही लोगों की लंबी-लंबी कतारें लगी हुई हैं। राजधानी के पूरे शिवालय हर-हर महादेव की जयघोष से गूंज रहे हैं। रायपुर के सरोना गांव में प्राचीन शिव मंदिर में दर्शन करने सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। 250 साल से ज्यादा पुराने इस पंचमुखी शिव मंदिर में दर्शन करने के लिए भक्तों का तांता लगा रहा। भक्त लाइन में लगकर अपनी-अपनी बारी का इंतजार करते दिखे। भक्त लाइन में लगकर अपनी-अपनी बारी का इंतजार करते दिखे। मंत्रोच्चारण के बीच पंचमुखी भगवान शिव का मनमोहक श्रृंगार किया गया। इस दौरान मंदिर परिसर में बम-बम भोले के जयकारे लगते रहे। पूरा मंदिर परिसर जयकारों से गूंजता रहा। यह मंदिर दो तालाबों के बीच में बना हुआ है। दोनों तालाब इस मंदिर की खूबसूरती बढ़ाते हैं। बताया जाता है कि इस मंदिर के नीचे से तालाब का पानी बहता है। लोग इसे कछुआ वाले शिव मंदिर के नाम से भी जानते हैं। दोनों तालाब में 100 साल से अधिक उम्र के दो कछुओं समेत

कई कछुए रहते हैं, जिसे देखने के लिए श्रद्धालु घंटों तालाब के किनारे खड़े रहते हैं। मंदिर के पुजारी शंकर गोस्वामी ने बताया कि इस मंदिर को राजपूतों ने बनवाया था। 14 गांव के मालिक स्व. गुलाब सिंह ठाकुर नि:संतान थे। सरोना गांव के आसपास जंगलों में नागा साधुओं ने डेरा जमाया था। स्व. ठाकुर ने संतान प्राप्ति के लिए कई मन्नत मांगी। इस दौरान उनकी मुलाकात नागा साधुओं से हुई। इस पर साधुओं ने गांव के पास तालाब खुदवाकर शिव मंदिर बनाने की सलाह दी। इस पर तालाब खुदवाकर वहां शिव मंदिर बनवाया गया। इस पर ठाकुर परिवार को दो संतान की प्राप्ति हुई। आज भी इस मंदिर में लोग संतान प्राप्ति की कामना लेकर आते हैं। भोलेनाथ की कृपा नि:संतान लोगों पर बरसती हैं। यहां न सिर्फ छत्तीसगढ़ से बल्कि दूसरे राज्यों से भी लोग संतान प्राप्ति की कामना लेकर पहुंचते हैं। यह मंदिर जितना पुराना है, उतने ही पुराने इस तालाब में रहने वाले कछुए और मछलियां हैं। पुजारी गोस्वामी के अनुसार, यहां के तालाब में मछलियां और कछुए भगवान शिव का ही अवतार माने जाते हैं।

जिला पंचायत सीईओ ने योजनाओं की प्रगति का लिया जायजा, समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश

बेमेतरा। प्रेमलता पद्माकर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत बेमेतरा ने बेमेतरा जिले के नवागढ़ विकासखंड अंतर्गत पेंड्री एवं धोबानोखुर्द ग्राम पंचायतों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्रामीण विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए अधिकारियों एवं हितग्राहियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के कार्यों की समीक्षा-निरीक्षण के दौरान सीईओ ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत स्वीकृत आवासों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने हितग्राहियों को निर्देशित किया कि सभी स्वीकृत आवासों का निर्माण कार्य 30 मार्च से पहले पूर्ण किया जाए। जिन लाभार्थियों द्वारा अभी तक निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है, उन्हें एक सप्ताह के भीतर कार्य शुरू करने के निर्देश दिए गए। सीईओ ने स्पष्ट रूप से कहा कि निर्धारित समय सीमा में कार्य प्रारंभ नहीं होने की स्थिति में संबंधित एसडीएम कार्यालय द्वारा नोटिस जारी किया जाएगा तथा नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई भी की जाएगी।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत समूह गतिविधियों की समीक्षा-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के कार्यों का निरीक्षण करते हुए सीईओ ने स्व-सहायता समूह (सात) की महिलाओं के साथ बैठक की। बैठक में ग्राम पंचायत स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नर्सरी स्थापना की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। साथ ही समूह की महिलाओं द्वारा कृषि एवं अन्य आजीविका गतिविधियों के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण कर उनकी सराहना की गई और उन्हें आगे और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया।

ग्रामीणों से योजनाओं का लाभ लेने की अपील-सीईओ ने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि शासन द्वारा संचालित योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लें और अपने आवास निर्माण कार्य को समय पर पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि सरकार ग्रामीण विकास के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है तथा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि सभी पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचे। इस अवसर पर जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत के अधिकारी, संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सभी ने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सहयोग देने का आश्वासन दिया।

फटाका विस्फोटक सामान कुल 57 पैकेट जुमला कीमती करीबन 40,000/- रूपये जप्त

बेमेतरा। पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव, एसडीओपी बेमेतरा भूषण एक्का के मार्गदर्शन में बेमेतरा पुलिस द्वारा अवैध शराब, गांजा, नशीली पदार्थो, प्रतिबंधात्मक कार्यवाही, बाउंड ओवर, गुंडा बदमाशों, फरार स्थायी वारंटियो, सामाजिक सौहार्द बिगाडने वालों, यातायात नियमो का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों तथा माईनर एक्ट के तहत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही लगातार की जा रही है। इसी क्रम में बीते शुक्रवार को थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा पुलिस को जरिये मुखबीर सूचना मिला कि सैय्यद बहादुर अली अपने बाजार पारा बेमेतरा में स्थित अली कलेक्शन नामक दुकान में अवैध रूप से विस्फोटक पदार्थ फटाका रखकर बिक्री कर रहा है कि सूचना पर थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा पुलिस टीम मौके पर दुकान बाजार पारा बेमेतरा में जाकर रेड कार्यवाही के दौरान सैयय्द बहादुर अली उम्र 66 वर्ष साकिन वार्ड नंबर 21 बाजार पारा बेमेतारा मिला जो विस्फोटक पदार्थ फटाका बिक्री हेतु अपने अली कलेक्शन दुकान में रखना स्वीकार किया एवं अपने दुकान में रखे फटाका विस्फोटक पदार्थ (1) 12 शाट 10 पैकेट (2) स्वीट ड्रीम 02 पैकेट (3) गोल्डन स्काई 01 पैकेट (4) गोल्डन स्टार 02 पैकेट (5) स्काई रंगोली 03 पैकेट (6) 15 शाट पपजी 01 पैकेट (7) 25 शाट गुरुस्वामी 03 पैकट (8) 15 शाट सोनी 03 पैकेट (9) नेक्स जेन 30 शाट 07 पैकेट (10) फादर 30 शाट 02 पैकेट (11) ब्लूग 30 शाट 02 पैकट (12) लव टूडे 01 पैकेट (13) सन 60 शाट 02 पैकेट (14) सन साईन पापसो 02 पैकेट (15) जोकर 10क्क 02 पैकेट (16) चिमा 2000 एक पैकेट (17) रीया 2000 एक पैकेट (18) 2च एक पैकेट (19) रेड थनडर 1000 ग्यारह पैकेट कुल 57 पैकेट जुमला कीमती 40,000/रूपये को पेश किया। उपरोक्त विस्फोटक पदार्थ फटाका कुल 57 पैकेट जुमला कीमती 40.000/ रुपये को जप्त किया गया। आरोपी सैयय्द बहादुर अली पिता स्व. कासम अली उम्र 66 वर्ष साकिन वार्ड नंबर 21 बाजार पारा बेमेतरा थाना व जिला बेमेतरा के विरूद्ध धारा 9 (ख) विस्फोटक अधिनियम विस्फोटक अधिनियम 1884, 288 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विधिवत कार्यावाही की गई हैं।उक्त कार्यवाही में थाना सिटी कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सोनल ग्वाला सहित थाना बेमेतरा के समस्त पुलिस स्टाफ का महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान रहा।

सिंघौरी स्कूल में बड़ी धूमधाम से मातृ-पितृ दिवस मनाया गया, 'माता-पिता और विद्यार्थियों ने मनाया अनोखा प्रेम-दिवस'

बेमेतरा। मानव-जीवन के उत्थान में माता-पिता एवं गुरुजनों के आदर का महत्त्व जाननेवाला यदि कोई देश है तो वह है अपना भारत देश। इस देश की महान संस्कृति ने इस सिद्धांत को अत्यंत महत्त्व देते हुए विद्यार्थी को आदेश दिया हैः 'मातृदेवो भव। पितृदेवो भव। आचार्यदेवो भव।' अर्थात् माता, पिता और आचार्य को देव (ईश्वर) माननेवाला हो। अपनी संस्कृति के इन प्राचीन संस्कारों को पुनर्स्थापित करने के लिए तथा 14 फरवरी को 'वेलेन्टाईन डे' मनाने की जो पाश्चात्य प्रथा हमारे देश में पैर जमा रही है, उसे उखाड़ फेंकने के लिए संत आसारामजी बापू की पावन प्रेरणा से देशभर में मातृ-पितृ पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसमें देश के हजारों विद्यालय एवं महाविद्यालय जुड़ गये हैं।इसी तारतम्य में शासकीय हाई एंव पूर्व माध्यमिक शाला सिंघौरी में भी बड़ी हर्सोल्लास के साथ मातृ-पितृ दिवस मनाया गया।कार्यक्रम की शुभारंभ शिक्षकों द्वारा माँ सरस्वती की तैलचित्र पर पूजा अर्चना कर किया गया।

ततपश्चात स्कूली बच्चों के अभिभावक जो कार्यक्रम में पहुंचे थे उनके बच्चों द्वारा विधिविधान पूर्वक पूजा कराया गया। साथ ही साथ संस्था के वरिष्ठ शिक्षिका सरस्वती साहू द्वारा प्रधान पाठक पद पर पदोन्नति की खुशी में आंशिक न्यौता भोजन कराया गया।जिसमें स्वल्पाहार के रूप में केला,समोसा एंव जलेबी वितरण किया गया।कार्यक्रम की उद्देश्य बताते हुए प्रधान पाठक साहू ने बताया कि माता-पिता हमारे जीवन के प्रथम गुरु, प्रेरणा और संस्कारों के आधार स्तंभ हैं। उनका स्नेह, त्याग और आशीर्वाद ही हमारे जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। आइए, इस पावन दिवस पर उनके प्रति सम्मान, कृतज्ञता और सेवा का संकल्प लें। इस अवसर पर संजय प्रसाद प्यासी प्राचार्य सहित नारद साहू (अध्यक्ष),पोषण वर्मा(शिक्षाविद)।

सीईओ जिला पंचायत ने किया एकीकृत फार्मिंग क्लस्टर का निरीक्षण, महिलाओं की आय बढ़ाने पर दिया जोर

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत कृषि आधारित आजीविका गतिविधियों को सशक्त बनाने की दिशा में विकासखंड नवागढ़ के 8 गांवों के लगभग 650 किसानों को जोड़कर एकीकृत फार्मिंग क्लस्टर का गठन किया गया है। इस क्लस्टर के अंतर्गत धोबनी खुर्द ग्राम पंचायत में आजीविका सेवा केंद्र की स्थापना की गई है।इस परियोजना के संचालन एवं गतिविधियों का निरीक्षण जिला पंचायत बेमेतरा की मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान कृषि आधारित आजीविका से जुड़ी महिलाओं के बाड़ी (घरेलू पोषण वाटिका) में संचालित विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी ली गई। साथ ही ग्राम को लखपति ग्राम बनाने के लिए चयनित कर विशेष रणनीति के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए।

सब्जी उत्पादन, पशुपालन और डेयरी गतिविधियों को मिलेगा बढ़ावा-निरीक्षण के दौरान गांव में बाड़ी विकास के अंतर्गत सब्जी उत्पादन को बढ़ावा देने, पशुपालन एवं डेयरी गतिविधियों को मजबूत करने के लिए विभागीय समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए।इसके साथ ही नर्सरी तैयार कर गुणवत्तायुक्त पौध उपलब्ध कराने तथा किसानों और समूहों द्वारा उत्पादित उत्पादों को बाजार में उचित मूल्य दिलाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

लखपति ग्राम निर्माण हेतु सतत आजीविका पर फोकस-ग्राम को लखपति बनाने की दिशा में सतत आजीविका गतिविधियों को बढ़ाने, विभिन्न विभागीय योजनाओं का अभिसरण करने, रिचार्ज पिट निर्माण जैसे जल संरक्षण कार्यों को बढ़ावा देने तथा प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत स्वीकृत सभी आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए 7 इस निरीक्षण एवं भ्रमण कार्यक्रम में जिला स्तर एवं विकासखंड स्तर के संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं ग्रामीणों को अधिकतम लाभ पहुंचाने हेतु समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर गोपाल वर्मा ने जिले में पेयजल व्यवस्था दुरुस्त करने के दिए सख्त निर्देश, जल जीवन मिशन के कार्यों में तेजी लाने और लंबित कार्य जल्द पूरा करने के दिए निर्देश

कलेक्टर ने जल जीवन मिशन के कार्यों की गहन समीक्षा की

कवर्धा। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि आगामी गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए जिले की पेयजल व्यवस्था को पूरी तरह दुरुस्त किया जाए। विशेष रूप से ग्रामीण, वनांचल क्षेत्रों में किसी भी प्रकार की पेयजल समस्या नहीं होनी चाहिए। जहां कहीं शिकायत प्राप्त हो, वहां तत्काल निराकरण सुनिश्चित किया जाए। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) के अधिकारियों और ठेकेदार, एजेंसियों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने शासन की प्राथमिकता वाली योजना जल जीवन मिशन के अंतर्गत प्रत्येक घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने के कार्यों की प्रगति पर गहन चर्चा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने निर्माण एजेंसियों और ठेकेदारों को निर्देश देते हुए कहा कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत चल रहे सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में तेजी से और पूरी गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्य में किसी भी प्रकार की समस्या आने पर संबंधित विभाग और सरपंचों के साथ संयुक्त बैठक कर तत्काल समाधान निकाला जाए। कलेक्टर वर्मा ने कहा कि जिन गांवों में जल जीवन मिशन के कार्य पूर्ण हो चुके हैं, वहां ग्राम पंचायतों को हैंडओवर करते हुए सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया शीघ्र पूरी की जाए। कई गांवों में कार्य लगभग पूर्ण हो जाने के बावजूद छोटे-मोटे कार्य शेष रहने से सर्टिफिकेशन जारी नहीं हो पाया है। ऐसे मामलों में सरपंचों से समन्वय कर शेष कार्य शीघ्र पूर्ण कर योजना का विधिवत हस्तांतरण किया जाए। जिन ग्रामों में कोई तकनीकी बाधा नहीं है, वहां प्राथमिकता से हैंडओवर की प्रक्रिया पूरी की जाए। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि जिन गांवों में कार्य प्रगति धीमी है, उसके कारणों की जानकारी रखी जाए और संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर बाधाओं को दूर किया जाए। जल स्त्रोतों की कमी, तकनीकी दिक्कतें अथवा अन्य समस्याओं को चिन्हित कर उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही अब तक हुए कार्यों की विस्तृत सूची तैयार कर 100 प्रतिशत, 95 प्रतिशत, 90 प्रतिशत तथा 90 प्रतिशत से कम प्रगति वाले कार्यों का वर्गीकरण किया जाए और प्रत्येक स्तर पर नियमित समीक्षा की जाए।कलेक्टर ने जल जीवन मिशन के तहत सभी कार्य पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ करने के निर्देश दिए। जल स्त्रोतों की कमी, तकनीकी बाधाओं एवं अन्य समस्याओं पर गंभीरता से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारी संबंधित विभागों से समन्वय कर बाधाओं का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करें। किसी भी स्तर पर ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि पाइपलाइन बिछाने के लिए सड़कों को तोड़े जाने के बाद मरम्मत कार्य तत्काल कराया जाए, ताकि आमजन को असुविधा न हो। उन्होंने अधिकारियों को नियमित फील्ड विजिट कर कार्यों की गुणवत्ता और समय-सीमा की निगरानी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर वर्मा ने कहा कि प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस दिशा में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ विनय पोयाम, कार्यपालन अभियंता दिलीप राजपूत, उप संचालक कृषि विभाग अमित मोहंती, विद्युत विभाग, क्रेडा सहित ठेकेदार, एजेंसी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

महिला जागृति शिविर का आयोजन, महिलाओं को जागरूक होना जरूरी- डॉ एफआर निराला

सारंगढ़ बिलाईगढ़। महिला जागृति शिविर भटगांव परियोजना कार्यालय भटगांव द्वारा आज नगर के वार्ड नंबर 5 में महिला जागृति शिविर का आयोजन किया गया जिसमे नगर के उपाध्यक्ष प्रदीप देवांगन जी ,जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एफ आर निराला जी एवं नगर के अनेक गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति के साथ नगर के विभिन्न वार्डों के महिलाओं ने भाग लिया शिविर में विभाग के द्वारा गोदभराई एवं अनुप्राशन के कार्यक्रम भी आयोजित थी मुख्य रूप से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एफ आर निराला के द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि महिलाओं को जागृत करना जरूरी है एक महिला जागृत होती है ,जागरूक होती है तो इसका प्रभाव न केवल उसके परिवार में पड़ता है बल्कि संपूर्ण समाज में इसका प्रभाव पड़ता है महिलाओं को जागरूक करना ,महिलाओं को सशक्त बनाने की शुरुवात है मतलब कि सशक्त महिला मजबूत महिला होने के लिए स्वस्थ शरीर का होना जरूरी होती है अर्थात एक स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता हुऐ की तेज में सभी महिलाओं को स्वस्थ रहना होगा यदि परिवार में घर की महिला बीमार होती है तब इसका असर पूरे परिवार ,समाज एवं देश पर की इसका असर होता है यदि स्वस्थ भारत का निर्माण करना है तब हर घर के हर महिला को स्वस्थ बनाना होगा और स्वस्थ बनाने के लिए प्रत्येक महिलाओं की जांच जरूरी है जांच करने पर ही पता चलेगा कि कितने स्वस्थ है इसके लिए प्रत्येक महिलाओं को अपनी खून की जांच करा कर पता लगाना होगा कि उसमें हीमोग्लोबिन या खून की मात्रा कितनी है अगर महिला एनीमिक या रक्त अल्पता से जूझती रही होगी तब इसका दुष्प्रभाव परिवार पर पड़ता इस कारण प्रत्येक महिला को संतुलित आहार पर ध्यान देना होगा अगर इनकी आहार संतुलित हो जिसमे पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन ,कार्बोहाइड्रेट ,वसा ,विटामिन सूक्ष्म लवण के साथ पर्याप्त पानी की मात्रा को नियमित रूप से मिले तब ऐसे शरीर में बीमारी होने की संभावनाएं कम होती है इसी तरह प्रत्येक महिला जिनकी उम्र 30 वर्ष के ऊपर है उन सभी की ब्लड प्रेशर की जांच ,शुगर की जांच और कैंसर की जांच करना जरूरी होता है।

सोमनापुर नया में कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों को दी गई भावभीनी विदाई

पंडरिया (कबीरधाम)। शासकीय हाई स्कूल सोमनापुर नया, विकासखंड पंडरिया, जिला कबीरधाम में कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों के सम्मान एवं विदाई समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर पूजा-अर्चना एवं तिलक लगाकर किया गया।इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य सहारुद्दीन खान ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में अनुशासन और नियमित परिश्रम ही सफलता की कुंजी है।

उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करने और विद्यालय का नाम रोशन करने की प्रेरणा दी।कार्यक्रम में कक्षा दसवीं की छात्राएं कु. आरती खांडे, कु. अंजना साहू, कु. बिमला दिवाकर तथा छात्र संस्कार सेन और प्रकाश पटेल ने अपने विद्यालयीन अनुभव साझा करते हुए गुरुजनों के प्रति आभार व्यक्त किया। जूनियर विद्यार्थियों द्वारा गीत, कविता, भाषण एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विजेताओं को उपहार देकर सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान सभी सीनियर विद्यार्थियों को दो-दो पेन भेंट कर सम्मानित किया गया।

निक्षय मित्र बना मरीजों का सहारा, स्वास्थ्य अधिकारी कर्मचारियों की विशेष पहल

साजा ब्लॉक में टीबी मरीज खोजने मितानिनों को किया गया प्रशिक्षित

बेमेतरा। बेमेतरा जिला में स्वास्थ्य विभाग द्वारा बेमेतरा जिला को टी बी मुक्त पंचायत बनाने एवं वर्तमान में वृहद स्तर पर टी बी मरीजों की खोज एवं उपचार अभियान चलाया जा रहा है जिसमें मितानिन प्रशिक्षक और मितानिनों को इस अभियान तहत प्रशिक्षण दिया जा रहा है साथ में टी बी मरीजों को पोषण आहार प्रदान करने अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि गण आम जन को जागरूक किया जा रहा है इसी तारतम्य में साजा ब्लॉक में टीबी मरीज खोजने मितानिनों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया, प्रशिक्षण कार्यक्रम में टीबी के टीपीटी बीमारी के बचाव के लिए दवाई खाने जानकारी दिया जा रहा हैं, जिसमें राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम (हृञ्वश्वक्) के तहत विकासखंड साजा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अंतर्गत सेक्टर साजा में एक सराहनीय एवं मानवीय पहल की जा रही है। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशानुसार तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमृत लाल रोहलेडर के आदेश पर, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अश्वनी कुमार वर्मा के नेतृत्व में विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी टीबी मरीजों को ÷निक्षय मित्र÷ के रूप में सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

ब्लॉक वरिष्ठ उपचार प्रवेक्षक पुरन दास ने जानकारी देते हुए बताया कि इस पहल के अंतर्गत टीबी मरीजों को नियमित जांच एवं उपचार के साथ-साथ पोषणयुक्त खाद्य सामग्री भी उपलब्ध कराई जा रही है। टी बी मरीजों को दवाइयों के साथ संतुलित पोषण आहार मिलने से मरीजों के स्वास्थ्य में अपेक्षित सुधार हो रहा है तथा उपचार पूर्ण करने में सहायता मिल रही है।

इसी क्रम में साजा ब्लॉक में टीबी मरीजों की सक्रिय खोज हेतु सेक्टर अनुसार मितानिनों का प्रशिक्षण भी आयोजित किया जा रहा हैं, ताकि ग्रामीण समुदाय स्तर पर संदिग्ध मरीजों की पहचान कर उन्हें समय पर जांच एवं उपचार से जोड़ा जा सके। कार्यक्रम में निलेश देवांगन (प्रभारी सेक्टर अधिकारी), खिलानंद साहू (सुपरवाइजर), बिटावन ठाकुर आरएचओ विमला निर्मल, कविता ध्रुव,नेतराम कन्नौजे,केतन साहू, सूरज साहू, सतीश कुमार, मितानिन प्रशिक्षक रामेश्वरी साहू , गायत्री साहू जगन्ननाथ कन्नौजे सीता लोधी सहित विभाग के अन्य स्वास्थ्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

शादी टलने से आहत प्रेमी युगल ने उठाया आत्मघाती कदम

रायपुर। जिले के पेंड्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत पनकोटा गांव से एक हृदयविदारक मामला सामने आया है। शादी में हो रही देरी से निराश एक प्रेमी युगल ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से पूरे गांव में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार कृष्णा भैना (18 वर्ष) और अनिता भैना (21 वर्ष) के बीच पिछले कुछ समय से प्रेम संबंध था। दोनों विवाह करना चाहते थे और इसके लिए अरपा महोत्सव के दौरान आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में पंजीयन कराने की कोशिश भी की। हालांकि, लड़के की उम्र वैधानिक सीमा से कम होने के कारण पंजीयन नहीं हो सका, जिससे उनकी शादी टल गई। पुलिस जांच में यह सामने आया है कि दोनों पिछले लगभग तीन महीनों से गांव के ही एक घर में लिव-इन रिलेशन में रह रहे थे। शादी न हो पाने से दोनों काफी हताश थे। परिजनों ने उन्हें समझाया था कि उम्र पूरी होने पर विधिवत विवाह करा दिया जाएगा, लेकिन वे मानसिक रूप से काफी परेशान चल रहे थे। बताया जा रहा है कि बीती रात अनिता ने घर के भीतर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। कृष्णा ने उसे फंदे से उतारकर परिजनों को इसकी सूचना दी। इस घटना से वह गहरे सदमे में चला गया। कुछ ही समय बाद उसने घर के बाहर नीलगिरी के पेड़ पर फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई करते हुए जांच शुरू कर दी है। इस आत्मघाती कदम ने दोनों परिवारों को गहरे आघात में डाल दिया है। यह घटना एक बार फिर युवाओं के बीच भावनात्मक असंतुलन और सामाजिक दबाव की गंभीरता को उजागर करती है।

रायपुर न्यायालय परिसर से दो कैदी फरार हुए

रायपुर। रायपुर सेन्ट्रल जेल से लाए गए दो बंदी आज जेल परिसर से फरार हो गए हैं। पुलिस की गंभीर लापरवाही सामने आई है। रायपुर सेन्ट्रल जेल में हत्या सहित अन्य मामलों में बंद कैदी तुलाराम पाण्डेय एवं राजाराम पाण्डेय को आज रायपुर सेन्ट्रल जेल में लाया गया था जहां पर वे पेशी के दौरान चकमा देकर फरार हो गए। पुलिस के अनुसार पेशी के पश्चात ये बंदी बातों में उलझाकर फरार हो गए हैं। ज्ञात रहे कि पुलिस लाइन से गाड़ी रवाना होती है तथा सेन्ट्रल जेल रायपुर से इन्हें पेशी के लिए लाया जाता है। यहां से वे पुन: जेल में भेज दिया जाता है लेकिन पुलिस के सिपाहियों के साथ सांठगांठ करने के पश्चात वे चमका देकर वे फरार हो जाते हैं। आज रायपुर सेन्ट्रल जेल से लाए गए दो कैदी फरार हो गए हैं जिससे पुलिस महकमें में हड़कंप मच गई है। पुलिस ने सिविल लाइन थाने में एफआईआर दर्ज करा दिया है।

स्कूल के पास तंबाकू बिक्री पाए जाने पर पान ठेले को किया सील

रायपुर। मंदिरहसौद दौरे के दौरान कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने मंदिरहसौद निरीक्षण के दौरान शासकीय प्राथमिक शाला के सामने एक पान ठेले पर तंबाकू बिकते पाए जाने तत्काल कार्रवाई करते हुए ठेला सील करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूलों के आसपास प्रतिबंधित सामग्री की बिक्री ना हो। कलेक्टर ने नगर पालिका परिषद मंदिरहसौद मार्ग पर सड़क पर मकान निर्माण सामग्री रखे जाने पर स्वयं वाहन से उतरे और मौके पर जब्ती कर जुर्माना लगाने के निर्देश दिए।

नए आपराधिक कानूनों के प्रयोग से पुलिस प्रक्रिया हुई तीव्र एवं आसान

बस्तर की शांति के लिए सरकार प्रतिबद्ध-उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

■ नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन में पांचों स्तंभों को एकीकृत करने में छत्तीसगढ़ राज्य अग्रणी

रायपुर/ संवाददाता

उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा ने आज गृह एवं जेल विभाग की उपलब्धियों के संबंध में नया रायपुर स्थित संवाद ऑडिटोरियम में पत्रकारों से चर्चा की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सरकार बनने के साथ ही हम एक नई सोच को लेकर कार्य कर रहे हैं। राज्य की क्षमता में विस्तार के लिए नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन अन्तर्गत आइसीजेएस के तहत पांचों स्तंभों पुलिस, अभियोजन, फॉरेंसिक, जेल एवं न्यायालय को एकीकृत करने की प्रक्रिया में छत्तीसगढ़ राज्य अग्रणी है। दुर्ग एवं बिलासपुर जिले पायलेट प्रोजेक्ट के तौर पर पांचों पिलर्स को एकीकृत कर एक मॉडल जिले के रूप में उभर कर सामने आये हैं। पहले पुलिस को साक्ष्यों को लेकर कई बार समास्याओं का सामना करना पड़ता था अब ई- साक्ष्य के आने से तुरंत साक्ष्य उपलब्ध हो रहे हैं। जिससे पुलिसकर्मियों का मनोबल बढ़ा है। गृह मंत्री श्री शर्मा ने बताया कि पुलिस कार्यों के आधुनिकीकरण के लिए सीसीटीएनएस द्वारा मेडलीपार, ई-साक्ष्य, ई -सम्मन, ऑनलाइन एफआईआर, ई- साइन, ई- कोर्ट, ई-श्रुति के द्वारा कार्यों को त्वरित और आसान बनाया जा रहा है, जिससे आम नागरिकों को न्याय प्राप्ति में आसानी होगी। पुलिस कर्मियों के लिए अब तक किसी प्रकार की बीमा की व्यवस्था नहीं थी, जिस पर ध्यान देते हुए सरकार द्वारा

08 बैंकों के साथ एमओयू कर बिना किसी प्रीमियम के सैलरी अकाउंट पर बीमा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, इसका लाभ छत्तीसगढ़ पुलिस के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों को प्राप्त हो रहा है। यह पुलिस कर्मियों के लिये कल्याणकारी योजनाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके तहत अब तक 15 शहीद पुलिसकर्मियों के आश्रितों को 16 करोड़ रुपए से अधिक की राशि उपलब्ध कराई जा चुकी है। गृह मंत्री ने बताया कि पहले अपराध समीक्षा हाथ से लिखकर उपलब्ध कराया जाता था जो पुलिस विवेचना में देरी होती थी, अब राज्य की अभिनव पहल के रूप में अपराध समीक्षा एप्लीकेशन से पूरे राज्य में दर्ज एफआईआर की निगरानी, समीक्षा एवं विश्लेषण की जा रही है। जहां समय-सीमा में अपराधों का विवेचना के साथ वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा नियमित रूप इसका पर्यवेक्षण किया जा रहा है जिससे जवाबदेहिता सुनिश्चित हो रही है और हर स्तर पर उसकी निगरानी की जा रही है। उन्होंने बताया कि पुलिस मुख्यालय में विभिन्न माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निराकरण हेतु ऑनलाईन कम्पलेंट मैंनेजमेंट पोर्टल का निर्माण किया गया है। पूर्व में शिकायतों को संबंधित जिलों में डाक के माध्यम से प्रेषित किया जाता था और जिलों के द्वारा भी संबंधित शिकायतों का जांच प्रतिवेदन डाक के माध्यम से ही मुख्यालय को प्राप्त होता था। इस पोर्टल के निर्माण से इस प्रक्रिया को ऑनलाईन किया गया है, जिससे संसाधनों व समय की बचत के साथ-साथ शिकायतों का निराकरण किया जा रहा है। शिकायतों के त्वरित निराकरण से पुलिस की छवि में सुधार तथा पीड़ितों को राहत मिल रहा है। गृह मंत्री श्री शर्मा ने बताया कि अवैध प्रवासियों पर सख्त रुख अपनाते हुए उन्होंने बताया कि राज्य में टोल फ्री नम्बर जारी कर अवैध प्रवासियों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसके लिए अवैध प्रवासियों की पहचान कर विशेष टास्क फोर्स का गठन द्वारा उनकी गिरफ्तारी एवं विदेशी नागरिक अधिनियम के तहत उन पर कार्रवाई करते हुए 34 लोगों को देश से निष्कासित करने का भी कार्य किया गया है। विचाराधीन लोगों के लिए होल्डिंग सेंटर भी बनाये गए हैं जहां उनकी जांच कर नियमानुसार प्रक्रिया की जा रही है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा एंटी टेरीरिस्ट स्क्वाड को भी क्रियाशील करने का कार्य किया है।

मौदहापारा के के मार्ग में हटाया गया अवैध कब्जा

रायपुर। रायपुर पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला और रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार और नगर निगम रायपुर के आयुक्त श्री विश्वदीप और यातायात एसपी श्री अजय कुमार के निर्देशानुसार एएसपी यातायात श्री विवेक शुक्ला, नगर निगम अपर आयुक्त नगर निवेश श्री पंकज के. शर्मा, नगर निवेशक श्री अभाष मिश्रा, जोन 2 जोन कमिश्नर श्री संतोष पाण्डेय,कार्यपालन अभियंता नगर निवेश श्री आशुतोष सिंह, जोन 2 कार्यपालन अभियंता श्री पी. डी. धृतलहरे सहित सम्बंधित यातायात पुलिस प्रशासन एवं नगर निगम नगर निवेश विभाग उड़न दस्ता, जोन 2 नगर निवेश विभाग की टीम द्वारा राजधानी शहर नगर निगम रायपुर क्षेत्र अंतर्गत जोन 2 क्षेत्र अंतर्गत जयस्तम्भ चौक से के. के. रोड मौदहापारा, पिथालिया काम्प्लेक्स, एमजी रोड में टीम प्रहरी अभियान अंतर्गत बाजार के प्रमुख मार्गो को अतिक्रमण से मुक्त करने व्यापक अभियान जनहित में जनसुविधा की दृष्टि से सुगम और सुव्यवस्थित यातायात देने चलाया गया। अभियान के अंतर्गत आज लगभग 40 से अधिक दुकानों के संचालकों पर सड़क पर सामान रखकर कब्जा करने पर लगभग 80000 रूपये का ई जुर्माना वसूला गया. लगभग 120 दुकानों से अधिक दुकानों के सामने सड़क पर कब्जा जमाकर रखे गए लगभग 12 ट्रक से अधिक मात्रा में सामानों को व्यवस्था सुधार हेतु कड़ाई के साथ सड़क से जब्त कर लिया गया. इस दौरान सड़क पर बाजार के मार्गो में लगभग 8 से अधिक कंडम वाहनों की यातायात पुलिस प्रशासन की टीम के साथ मिलकर कार्यवाही की गयी

---

500 करोड़ के मानहानि केस पर घमासान

भूपेश बघेल ने हिमंता सरमा से मांगी जमीन मामले की सफाई

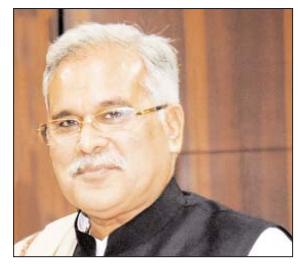

रायपुर। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा शर्मा द्वारा कांग्रेस नेताओं पर दायर ?500 करोड़ के मानहानि मुकदमे के बाद सियासी बयानबाज़ी तेज हो गई है। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पलटवार करते हुए कहा है कि अदालत का दरवाज़ा खटखटाने से पहले मुख्यमंत्री को अपने ऊपर लगे गंभीर आरोपों का जवाब देना चाहिए था। भूपेश बघेल ने कहा कि सांसद गौरव गोगोई द्वारा उठाया गया सवाल पूरी तरह जायज़ है। उन्होंने सीधे पूछा कि क्या 12,000 बीघा जमीन पर अतिक्रमण हुआ है या नहीं। बघेल के मुताबिक, अगर मुख्यमंत्री निर्दोष हैं तो उन्हें मानहानि का केस करने के बजाय स्वतंत्र जांच समिति गठित कर

अपनी और परिवार की संपत्तियों की जांच करानी चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि यह मुकदमा सच्चाई सामने आने के डर से दायर किया गया है और इसका मकसद विपक्ष को डराना है। उन्होंने कहा, अगर दामन पर दाग नहीं है तो जांच से क्यों घबराना? जनता के सामने सच्चाई लानी चाहिए। दरअसल, मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा शर्मा ने कांग्रेस नेताओं—भूपेश बघेल, गौरव गोगोई और जितेंद्र सिंह—के खिलाफ सिविल और आपराधिक मानहानि का केस दायर कर ?500 करोड़ हर्जाने की मांग की है। उनका आरोप है कि कांग्रेस नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उनकी छवि खराब करने की साजिश रची। वहीं कांग्रेस का कहना है कि जनप्रतिनिधियों से सवाल पूछना लोकतंत्र का हिस्सा है, अपराध नहीं। पार्टी का आरोप है कि सत्ता के दबाव में विपक्ष की आवाज दबाने की कोशिश की जा रही है। इस मामले ने अब कानूनी लड़ाई के साथ-साथ राजनीतिक टकराव को भी तेज कर दिया है, और आने वाले दिनों में यह मुद्दा राष्ट्रीय राजनीति में और गरमा सकता है।

छत्तीसगढ़ मना रहा 'महतारी गौरव वर्ष': मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े....

■ मॉनिटरिंग तंत्र को मजबूत करने तथा पात्र हितग्राहियों तक लाभ की शत-प्रतिशत पहुंच सुनिश्चित करने के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने नई दिल्ली में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी से सौजन्य भेंट कर प्रदेश में संचालित महिला एवं बाल विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं भावी कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने इस अवसर पर अवगत कराया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने वर्ष 2026 को 'महतारी गौरव वर्ष' के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। इस पहल का उद्देश्य माताओं और बहनों के सम्मान, सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं आर्थिक स्वावलंबन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना है। राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण को विकास की धुरी मानते हुए योजनाओं को और अधिक प्रभावी स्वरूप दे रही है। बैठक में मातृशक्ति सशक्तिकरण, पोषण अभियान की प्रगति, बाल संरक्षण सेवाओं के सुदृढ़ीकरण, आंगनबाड़ी व्यवस्थाओं के उन्नयन तथा केंद्र प्रायोजित योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन जैसे विषयों पर सकारात्मक एवं परिणाममुखी विचार-विमर्श हुआ। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने छत्तीसगढ़ में संचालित नवाचारों, जमीनी स्तर पर किए जा रहे प्रयासों तथा हितग्राहियों तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में उठाए गए कदमों की जानकारी साझा की। केंद्रीय मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने योजनाओं के प्रभावी संचालन, मॉनिटरिंग तंत्र को मजबूत करने तथा पात्र हितग्राहियों तक लाभ की शत-प्रतिशत पहुंच सुनिश्चित करने के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने केंद्र एवं राज्य के समन्वित प्रयासों को महिला एवं बाल कल्याण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग एवं मार्गदर्शन से छत्तीसगढ़ में महिला एवं बाल विकास से संबंधित योजनाओं को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं परिणामोन्मुख बनाया जाएगा। सुशासन सरकार मातृशक्ति के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

मलकानगिरी में रिक्लेमेशन कॉलोनी में कवासी लखमा का अस्थायी निवास.....

■ उनके घर से तीन किलोमीटर पर है, सत्र में शामिल होने मांगी अनुमति

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ कांग्रेस के सीनियर नेता और पूर्व मंत्री कवासी लखमा ओडिशा के मलकानगिरी जिले में रहने के लिए चले गए हैं। मलकानगिरी जिले में रिक्लेमेशन कॉलोनी में छत्तीसगढ़ के पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा का अस्थायी निवास बन गई है। कोर्ट के आदेश के बाद उन्होंने छत्तीसगढ़ को छोड़ दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें शराब घोटाले के दो कथित मामलों के सिलसिले में राज्य से

बाहर रहने का निर्देश दिए थे। जेल से रिहाई के बाद अब वह मलकानगिरी में रहेंगे। कोर्ट ने बस्तर के कोंटा विधानसभा सीट क्षेत्र से पांच बार के आदिवासी विधायक कवासी लखमा को जमानत देते हुए उन्हें जांच लंबित रहने के दौरान छत्तीसगढ़ से बाहर रहने का निर्देश दिया है। मलकानगिरी में पहुंचने पर कोंटा विधायक का कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। कांग्रेस नेता श्रीनिवास राव ने बताया कि रिक्लेमेशन कॉलोनी में उनके लिए एक मकान किराये पर लिया गया है। कवासी लखमा ने मलकानगिरी को रहने के लिए क्यों चुना इस सवाल के जवाब ने उन्होंने कहा कि- 'सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार, मैंने उस अवधि के दौरान रहने के लिए मलकानगिरी को चुना है क्योंकि यहां की भाषा, परंपरा, संस्कृति और भोजन छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र से मिलते-जुलते हैं। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और राज्य पुलिस द्वारा अलग-अलग दर्ज किए गए शराब घोटाले के दो मामलों में कवासी लखमा को अंतरिम जमानत दी थी। कवासी लखमा को ईडी ने 15 जनवरी, 2025 को गिरफ्तार किया था और तब से वे न्यायिक हिरासत में थे।

चाकूबाजी मामले में युवक पकड़ाया........

रायपुर। राजधानी की मौदहापारा थाना पुलिस ने थानाक्षेत्र में दो युवकों के बीच हुए लेन-देन के विवाद के बाद एक युवक को चाकू मारकर घायल करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर चाकू जब्त किया गया है। मामले में आरोपी के खिलाफ धारा 127(1), 109, 309(6) बीएनएस 2023 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी मोहम्मद हाशिम पिता मोहम्मद रफीक, उम्र 27 वर्ष, साकिन रक्सेल बाड़ा, थाना मौदहापारा, जिला रायपुर द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि दिनांक 11 फरवरी 2026 की रात्रि लगभग 8:30 बजे से 9 बजे के मध्य स्वीपर मोहल्ला, थाना मौदहापारा क्षेत्र में आरोपी द्वारा पुरानी लेन-देन की रंजिश को लेकर मारपीट करते हुए चाकू से हमला किया गया। घटना में घायल प्रार्थी को तत्काल उपचार हेतु डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय (मेकाहारा) लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार उपरांत पीड़ित की स्वास्थ्य स्थिति सामान्य पाई गई। घटना के पश्चात आरोपी गिरफ्तारी से बचने के उद्देश्य से क्षेत्र बदल-बदल कर भागने का प्रयास कर रहा था। डीसीपी सेंट्रल जोन के निर्देश पर महज 03 घंटे के भीतर त्वरित नाकेबंदी एवं रणनीतिक खोज अभियान चलाते हुए क्राइम टीम, थाना गोल बाजार, थाना मौदहापारा, कोतवाली एवं एसीसीयू की टीम द्वारा संयुक्त रूप से कार्रवाई कर बैजनाथ पारा क्षेत्र के पास से आरोपी नियाज खान अशरफी उर्फ निज्जू।

धान प्रबंधन में प्रशासनिक दक्षता और नेतृत्व का समन्वय मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर का उभरता मॉडल

मजबूत मॉनिटरिंग,किसान-केंद्रित दृष्टिकोण से बनी सुशासन की मिसाल

■ धान उठाव की प्रक्रिया में सबसे बड़ी चुनौती भंडारण और परिवहन प्रबंधन होती है

रायपुर/ संवाददाता

धान खरीदी विपणन वर्ष 2025-26 में मनेंद्रगढ़दृचिरमिरीदृभरतपुर जिले ने धान उपार्जन और उठाव प्रक्रिया को जिस प्रभावी ढंग से संचालित किया है, वह केवल एक प्रशासनिक उपलब्धि नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था और शासन व्यवस्था के बीच विश्वास निर्माण का महत्वपूर्ण उदाहरण बनकर सामने आया है। छत्तीसगढ़ जैसे कृषि प्रधान राज्य में धान प्रबंधन की सफलता सीधे तौर पर किसानों की आय, ग्रामीण रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था की गति से जुड़ी होती है। ऐसे में जिले का यह अभियान प्रशासनिक योजना, संसाधन प्रबंधन और संवेदनशील नेतृत्व की समन्वित कार्यशैली को दर्शाता है। इस वर्ष जिले के 19 हजार 58 किसानों से 8 लाख 79 हजार 848 क्विंटल से अधिक धान का उपार्जन किया गया, जो सरकारी खरीदी प्रणाली के प्रति बढ़ते विश्वास का संकेत है। कुल खरीदी में से 3 लाख 6 हजार 170 क्विंटल धान का 34.84 प्रतिशत उठाव अब तक पूरा होना यह दर्शाता है कि प्रशासन ने खरीदी के साथ-साथ उठाव को भी समान प्राथमिकता दी है। यह उपलब्धि दर्शाती है कि केवल लक्ष्य निर्धारित करना पर्याप्त नहीं होता, बल्कि संसाधनों का संतुलित उपयोग और सतत निगरानी भी उतनी ही आवश्यक होती है। धान उठाव की प्रक्रिया में सबसे बड़ी चुनौती भंडारण और परिवहन प्रबंधन होती है। जिले में ट्रकों की समयबद्ध उपलब्धता, मिलों तक सीधी आपूर्ति और लोडिंगदृअनलोडिंग के लिए पर्याप्त श्रमिकों की तैनाती से उपार्जन केंद्रों पर दबाव कम हुआ है। यह मॉडल दिखाता है कि यदि लॉजिस्टिक प्रबंधन मजबूत हो, तो बड़े पैमाने पर कृषि उपज का संचालन भी सुचारू रूप से संभव है। डिजिटल मॉनिटरिंग और नियमित समीक्षा बैठकों ने निर्णय प्रक्रिया को तेज और पारदर्शी बनाया है। राज्य स्तर पर स्पष्ट नीति और किसान-केंद्रित दृष्टिकोण ने जिले के अभियान को दिशा प्रदान की है। खरीदी से लेकर उठाव तक प्रत्येक चरण को समयबद्ध

और पारदर्शी बनाने पर जोर दिया गया, जिससे किसानों को भुगतान और मूल्य सुरक्षा सुनिश्चित हुई। नेतृत्व की यह स्पष्टता प्रशासनिक तंत्र में जवाबदेही और कार्यक्षमता बढ़ाने का प्रमुख कारण बनी है। हालांकि कुछ उपार्जन केंद्रों पर उठाव की गति अपेक्षाकृत धीमी रही, लेकिन प्रशासन ने इसे समस्या के रूप में स्वीकार करते हुए अतिरिक्त संसाधनों की व्यवस्था, परिवहन मार्गों की निगरानी और श्रमिकों की संख्या में वृद्धि जैसे त्वरित निर्णय लिए। यह दर्शाता है कि अभियान केवल उपलब्धियों पर केंद्रित नहीं रहा, बल्कि चुनौतियों के समाधान को भी प्राथमिकता दी गई। 19 हजार से अधिक किसानों की सक्रिय भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि सरकारी व्यवस्था के प्रति भरोसा मजबूत हुआ है। समय पर खरीदी और उठाव से किसानों को आर्थिक सुरक्षा मिली है, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। यह अभियान प्रशासन और किसान के बीच संवाद और सहयोग की नई मिसाल भी प्रस्तुत करता है। धान उठाव की तेज गति से मिलों में प्रसंस्करण कार्य शीघ्र प्रारंभ हुआ, जिससे स्थानीय रोजगार और ग्रामीण बाजारों में आर्थिक गतिविधियां बढ़ीं। परिवहन और श्रमिक सेवाओं के माध्यम से भी स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिली है। दीर्घकालिक दृष्टि से यह मॉडल कृषि प्रबंधन को अधिक पेशेवर और व्यवस्थित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले का धान प्रबंधन अभियान यह स्पष्ट करता है कि मजबूत नीति, संवेदनशील नेतृत्व, प्रभावी संसाधन प्रबंधन और सतत मॉनिटरिंग के माध्यम से बड़े कृषि अभियानों को सफलतापूर्वक संचालित किया जा सकता है। यह मॉडल न केवल सुशासन की मिसाल है, बल्कि भविष्य में अन्य जिलों के लिए एक व्यावहारिक मार्गदर्शिका भी बन सकता है। किसानों के विश्वास, प्रशासनिक दक्षता और आर्थिक सुदृढ़ता के समन्वय से यह अभियान ग्रामीण विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हो रहा है।

संपादकीय

असुरक्षित खदानें क्यों बन रही मजदूरों की क्रब

मेघालय में एक अवैध कोयला खदान में हुए विस्फोट में अठारह मजदूरों की मौत हो गई, एक गंभीर रूप से जख्मी मजदूर अस्पताल में भर्ती है और अंदेशा है कि कुछ अन्य मजदूर अभी भी खदान में फंसे हों। यह 'रैट होल' खदान है, जिसमें इतनी संकरी सुरंगें बनाकर खनन किया जाता है, जिनसे मजदूर रेंगकर ही घुस या निकल सकते हैं। ये खदानें पर्यावरण के लिए भी बहुत घातक हैं। इनकी असुरक्षित व अमानवीय परिस्थिति की वजह से ही सुप्रीम कोर्ट और ग्रीन ट्रिब्यूनल ने इनको प्रतिबंधित किया हुआ है, लेकिन पूर्वोत्तर भारत में ऐसी खदानें धड़ल्ले से चल रही हैं। अनुमान है कि सिर्फ मेघालय में लगभग 25,000 ऐसी गैर-कानूनी खदानें चल रही हैं। जाहिर है, इतने बडे पैमाने पर यह अवैध काम बिना प्रशासनिक मिलीभगत और भ्रष्टाचार के संभव नहीं है। इसके पहले मेघालय में ही 2018 में बड़ी दुर्घटना हुई थी, जिसमें पंद्रह मजदूर मारे गए थे। बहुत संभव है कि और भी दुर्घटनाएं इन खदानों में होती हों, जिनकी खबर तक बाहर नहीं आ पाती हो। ऐसा नहीं है कि प्रशासनिक नेकनीयती व सख्ती से ऐसे गैर-कानूनी और अमानवीय कारोबार पर रोक नहीं लगाई जा सकती, लेकिन प्रशासनिक तंत्र में भ्रष्टाचार का जाल इतना मजबूत है कि उसके आगे तमाम कानून और आदेश व्यर्थ हो जाते हैं। देश में कई बार भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन हुए, कुछेक बार इन आंदोलनों की वजह से सरकारें भी बदलीं, लेकिन भ्रष्टाचार की जड़ें मजबूत ही होती गईं। 'ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल' जैसी संस्थाओं की रिपोर्ट से तो यही जाहिर होता है। भ्रष्टाचार कम करने के लिए जरूरी है कि सरकारी तंत्र और प्रक्रियाओं में पारदर्शिता व सरलता लाई जाए, पर होता यह है कि भ्रष्टाचार रोकने के नाम पर प्रक्रियाओं को ज्यादा जटिल और अपारदर्शी बना दिया जाता है, जिससे अधिकारियों व संस्थानों की जवाबदेही और कम हो जाती है। ऐसे में, भ्रष्टाचार की गुंजाइश बढ़ जाती है। भ्रष्टाचार पर नियंत्रण करने वाली संस्थाओं को स्वतंत्र व मजबूत बनाने के लिए जरूरी कदम उठाने की इच्छा हमारी राजनीतिक संस्कृति में नहीं है, इसलिए इसमें पकड़े जाने की गुंजाइश जितनी कम है, पकड़े जाने पर सजा मिलने की गुंजाइश उससे भी कम है।सबसे बड़ी समस्या यह है कि भारत के आम नागरिक की गरिमा, उसके अधिकार, उसकी जान की परवाह भी हमारे तंत्र में कम ही है, बल्कि यह परवाह हमारे समाज में ही नहीं है, जो इन आम नागरिकों से बना है। हमारे समाज के लोगों में ही दूसरे लोगों, खासकर अलग वर्ग, समुदाय या क्षेत्र के, यानी अपने से अलग लगने वाले लोगों के दुख-दर्द या समस्या के प्रति वैसी हमदर्दी नहीं देखने को मिलती, जैसी एक देश में अपेक्षित है और भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में तो हमेशा ही ज्यादातर लोग हमसे अलग ही होंगे।

मूगा की खेती के लिए कोई भौगोलिक सीमा नहीं

मूगा सिल्क, जो अपनी प्राकृतिक सुनहरी चमक और जबरदस्त मजबूती के लिए दुनिया भर में मशहूर है, भारत के सबसे कीमती प्राकृतिक रेशों में से एक है. पारंपरिक रूप से, मूगा रेशम उत्पादन को असम और उत्तर-पूर्वी भारत की पहचान माना जाता रहा है. वैज्ञानिक प्रयोगों और खेतों के सफल अनुभवों से यह संकेत मिल रहे हैं कि मूगा की खेती को केवल एक ही भौगोलिक क्षेत्र तक सीमित रखने की जरूरत नहीं है. दक्षिण भारत मूगा रेशम उत्पादन के लिए एक नए और आशाजनक क्षेत्र के रूप में उभर सकता है. प्राकृतिक रेशम की दुनिया में मूगा सिल्क की आर्थिक चमक बेजोड़ है. ऑफ-सीजन के दौरान, मूगा के एक कोकून की कीमत 15-20 रुपये तक पहुंच सकती है, जबकि बाजार में उच्च गुणवत्ता वाला कच्चा मूगा रेशम 45,000 से 50,000 रुपये प्रति किलो के भाव पर बिकता है.

मूगा सिल्क का नया अध्यायः मप्र और उत्तराखंड में सफल प्रयोग के बाद अब दक्षिण भारत की बारी

धारावत साईंचरण

आर्थिक दृष्टि से देखें तो, सोम या सोआलु (मूगा के पौधों) के एक एकड़ के बागान से एक बार में लगभग 35,000 से 40,000 कोकून पैदा किए जा सकते हैं. अगर सरकार द्वारा तय 6 रुपये प्रति कोकून की कीमत को भी आधार मानें, तो एक एकड़ से सिर्फ एक फसल में ही 2.1 से 2.4 लाख रुपये तक की सकल कमाई हो सकती है. रेशम के बीजों और पालन-पोषण के खर्चों को हटा देने के बाद भी, मूगा पालन एक बहुत ही अधिक मुनाफा देने वाला काम है.

इतनी अच्छी कीमत और कम लागत के कारण, मूगा रेशम पालन उन छोटे किसानों, आदिवासी परिवारों और ग्रामीण समुदायों के लिए कमाई का एक बेहतरीन जरिया है, जिनके पास जमीन तो कम है लेकिन मेहनत करने वाले हाथों की कमी नहीं है.

हालांकि 'एंथेरिया असामेंसिस' (मूगा रेशम का कीड़ा) मुख्य रूप से उत्तर-पूर्व में ही पाया जाता है. लेकिन, हाल के घटनाक्रमों ने इस धारणा को चुनौती दी है कि मूगा कहीं और नहीं पनप सकता.

मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम जिले और उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में मूगा की खेती की सफल शुरुआत ने यह साबित कर दिया है कि ये कीड़े अपने पारंपरिक क्षेत्र के बाहर भी खुद को ढाल सकते हैं. ये अनुभव स्पष्ट करते हैं कि मूगा की खेती के लिए कोई भौगोलिक बंधन नहीं हैं. इसके लिए सही वातावरण, वैज्ञानिक देखरेख और किसानों व संस्थाओं का दृढ़ संकल्प ही मायने रखता है.

महत्वपूर्ण बात यह है कि उत्तर-पूर्व से बाहर यह सफलता मजबूत संस्थागत सहयोग से संभव हुई है. केंद्रीय रेशम बोर्ड (सीएसबी) के तहत काम करने वाली गुवाहाटी की संस्था 'मूगा एंड एरी सिल्कवर्म सीड ऑर्गेनाइजेशन' (एमईएसएसओ) ने मध्य प्रदेश और उत्तराखंड को बीमारी-मुक्त बीज उपलब्ध कराए हैं. स्श्वस्स्ह ने गुणवत्तापूर्ण बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित करने में मुख्य भूमिका निभाई है.

इस प्रयास में राज्य के रेशम विभागों ने भी बीजों की खरीद, वितरण और किसानों को तकनीकी सलाह देने में सक्रिय रूप से मदद की है. इससे यह सिद्ध होता है कि केंद्र और राज्यों के तालमेल से मूगा रेशम पालन को नए क्षेत्रों तक सफलतापूर्वक पहुंचाया जा सकता है. मूगा रेशम के कीड़े मुख्य रूप से सोम (पर्सिया बॉम्बेसिना) और सोआलु

(लिट्सा पोलियांथा) के पेड़ों की पत्तियों को खाते हैं, जो कि जंगली पेड़ों की प्रजातियां हैं. इन पेड़ों को लगाने के बाद मूगा पालन के लायक तैयार होने में लगभग तीन साल का समय लगता है. पेड़ों की यह विशेषता मूगा रेशम पालन को वृक्षारोपण कार्यक्रमों, कृषि-वानिकी और सामुदायिक वन पहलों के लिए एकदम उपयुक्त बनाती है. विशेष रूप से, सोआलु के पेड़ों को खराब हो चुकी वन भूमि और सामुदायिक जंगलों में उगाया जा सकता है. इससे पर्यावरण के संतुलन को बिगाड़े बिना, स्थानीय लोगों के लिए लंबे समय तक चलने वाला और नवीकरणीय आजीविका का साधन तैयार किया जा सकता है. मूगा रेशम के कीड़ों के लिए आवश्यक जलवायु- 20 से 30 डिग्री सेल्सियस तापमान और 65 से 85% की नमी है. दक्षिण भारत के कई वन और अर्ध-वन क्षेत्रों की परिस्थितियों से काफी मिलती-जुलती है. विशेष रूप से, मानसून और मानसून के बाद का मौसम यहां की खेती के लिए बहुत अनुकूल वातावरण प्रदान करता है. तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों में बड़े वन क्षेत्र हैं, जहां रणनीतिक रूप से मूगा पालन शुरू किया जा सकता है. खेती के लिए संभावित समय -तेलंगाना और आंध्र प्रदेशः जुलाई से सितंबर और अक्टूबर से दिसंबर तक. कर्नाटक और केरलः जून से नवंबर तक. तमिलनाडुः मानसून से जुड़े मौसम के दौरान चुनिंदा वन क्षेत्रों में. समय के ये विकल्प मूगा रेशम पालन को अलग-अलग चरणों में और क्षेत्र के हिसाब से अपनाने का बेहतरीन अवसर देते हैं. दक्षिण भारत में मूगा रेशम पालन को बढ़ावा देने के पक्ष में सबसे ठोस तर्क यह है कि यह आदिवासी और वन क्षेत्रों में रहने वाले समुदायों के लिए बहुत उपयोगी है. मूगा पालन के लिए बहुत अधिक खेती-बाड़ी के संसाधनों या खाद-पानी की ज़रूरत नहीं होती. इसके बजाय, यह वन संसाधनों के सुरक्षित उपयोग के जरिए कमाई का जरिया बनता है. यह काम स्थानीय लोगों, विशेषकर महिलाओं के लिए सम्मानजनक रोजगार के अवसर पैदा करता है और साथ ही जंगलों के अंधाधुंध दोहन को रोकने में भी मदद करता है. आदिवासी परिवारों के लिए मूगा रेशम पालन अतिरिक्त आय का एक भरोसेमंद स्रोत बन सकता है, जिससे काम की तलाश में होने वाले मौसमी पलायन में कमी आएगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी. सामुदायिक वनों, संयुक्त वन प्रबंधन कार्यक्रमों और क्षतिपूरक वनीकरण योजनाओं में सोम और सोआलु के बागानों को शामिल करके, मूगा रेशम पालन के जरिए एक साथ दो लक्ष्य साधे जा सकते हैं. हरियाली बढ़ाना और आर्थिक लाभ कमाना, यह दोहरा लाभ मूगा रेशम को एक शक्तिशाली माध्यम बनाता है, जिससे टिकाऊ आजीविका, जलवायु लचीलापन और जैव विविधता संरक्षण से जुड़े राष्ट्रीय लक्ष्यों को हासिल किया जा सकता है. दक्षिण भारत में मूगा रेशम पालन का विस्तार भारत के रेशम उद्योग को एक नई पहचान देने का एक रणनीतिक अवसर है. एमईएसएसओ और केंद्रीय रेशम बोर्ड जैसी संस्थाओं के सहयोग से मध्य प्रदेश और उत्तराखंड में मिले सफल अनुभवों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि गुणवत्तापूर्ण बीजों, वैज्ञानिक मार्गदर्शन और राज्य स्तर के सहयोग से मूगा की खेती अपने पारंपरिक गढ़ (उत्तर-पूर्व) से बाहर भी फल-फूल सकती है. मूगा रेशम पालन केवल एक कृषि व्यवसाय नहीं है. यह

चुनाव को करीब देख फिर धर्म की शरण में द्रमुक

(एस श्रीनिवासन)

बीते इतवार को जब दिल्ली बजट भाषण पर बहस में डूबी हुई थी, ठीक उसी दिन तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) ने अपने विधानसभा चुनाव अभियान की शुरुआत की। दरअसल, 1 फरवरी को माघी पूर्णिमा थी और इसी दिन तमिल त्योहार 'थाईपुसम' मनाया जाता है। तमिलनाडु के धर्मपरायण लोगों के लिए इस दिन का बहुत महत्व होता है।

लंबे समय तक खुद को नास्तिक कहने वाले दल (द्रमुक) ने अपने चुनावी अभियान की शुरुआत के लिए इसी त्योहारी दिन को चुना। 'थाईपुसम' थाई और पुसम शब्दों से मिलकर बना है। थाई एक तमिल महीने का नाम है, जिसकी पहली पूर्णिमा को यह त्योहार मनाया जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान मुरुगन (कार्तिकेय) ने इसी दिन अपनी मां पार्वती द्वारा दिए गए दिव्य हथियार से सूरपद्मण नामक राक्षस का संहार किया था। तमिलनाडु में इस दिन सरकारी छुट्टी होती है, लेकिन इस बार यह त्योहार इतवार को ही पड़ गया। इस दिन लोग शिव मंदिरों, खासकर भगवान मुरुगन के मंदिरों में उमड़ पड़े और पूजा-अर्चना की। जाहिर है, द्रमुक ने श्रद्धालुओं को खुश करने के लिए इस दिन का चयन किया, इससे यही संदेश गया है कि इस पार्टी को भी धर्म के समर्थन की आवश्यकता महसूस होने लगी है। द्रमुक को सत्ता विरोधी लहर के साथ-साथ अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके की चुनौती का भी सामना करना पड़ रहा है। अन्नाद्रमुक तो है ही।

द्रमुक और अन्नाद्रमुक- दोनों परंपरागत प्रतिद्वंद्वी दलों ने अपने गठबंधन लगभग तय कर लिए हैं। छोटी-मोटी कुछ अड़चनें हैं, जिनको वे आने वाले दिनों में सुलझा लेंगे। समय की कसौटी पर खरे उतरे द्रमुक गठबंधन के इस चुनाव में भी बने रहने की पूरी संभावना है। हालांकि, इसके एक प्रमुख घटक कांग्रेस ने आधिकारिक रूप से अपने रुख की घोषणा नहीं की है, लेकिन यह सौदा तय लग रहा है। तमिलनाडु और पुडुचेरी इकाइयों के कांग्रेस प्रभारी गिरीश चोडणकर द्रमुक नेतृत्व से बातचीत कर रहे हैं और जल्द ही पार्टी के महासचिव के सी वेणुगोपाल समझौते को अंतिम रूप देने के लिए आने वाले हैं।

कांग्रेस 234 सदस्यों वाली विधानसभा के लिए 33 सीटों पर दावा कर रही है, जबकि पिछले चुनावों में उसे 25 सीटें मिली थीं। हालांकि, उसे पुडुचेरी में ज्यादा परेशानी हो रही है। वहां उसका दबदबा है और वह अपना मुख्यमंत्री बनाना चाहती है। दिलचस्प बात यह है कि द्रमुक भी वहां नेतृत्व का दावा कर रही है और उसके नेता जगतरक्षकन ने मुख्यमंत्री के चेहरे के तौर पर अपनी दावेदारी भी पेश कर दी है। दिल्ली में कांग्रेस के डाटा एनालिसिस विभाग के प्रमुख प्रवीण चक्रवर्ती के नेतृत्व वाला गुट अभिनेता विजय के साथ गठबंधन पर जोर दे रहा है। चक्रवर्ती का कहना है कि विजय के पास चुनाव जीतने के बेहतर मौके हैं। प्रवीण और विजय, दोनों चुनावी राजनीति में नए हैं, पर वे अपनी राजनीतिक समझ के लिए जाने जाते हैं।

द्रमुक का दूसरे घटकों से कमोबेश गठबंधन हो गया है। वह पूर्व मुख्यमंत्री ओ पनीरसेल्वम के भी संपर्क में है। इधर, अन्नाद्रमुक के सभी गुटों को एकजुट करने में नाकाम रही भाजपा ने अब यह प्रयास छोड़ दिया है। वैसे, उसका गठबंधन टीटीवी दिनाकरन को अपने साथ जोड़ने में कामयाब रहा है। इस बार उसे पीएमके से भी समझौता किया है, जिसका तमिलनाडु के उत्तरी हिस्सों में काफी प्रभाव है। अन्नाद्रमुक 150 से 160 सीटें अपने पास रखेगी और बाकी सहयोगियों के लिए छोड़ सकती है। भाजपा 30 सीटें मांग रही है, मगर वह 22 पर मान सकती है।

अभिनेता विजय ने धमाकेदार शुरुआत की और कई दलों को गठबंधन के लिए बुलाया। दुर्भाग्य से, किसी ने उनकी बात नहीं मानी। अब विजय ने सभी सीटों पर उम्मीदवार उतारने का एलान किया है। उनके प्रत्याशी पारंपरिक पार्टियों के वोटों में सेंध लगा सकते हैं। लाख टके का सवाल यही है कि विजय किसको ज्यादा नुकसान पहुंचाएंगे? द्रमुक और अन्नाद्रमुक- दोनों तमिल दल दावा कर रहे हैं कि अभिनेता के आने से उन्हें कोई नुकसान नहीं होगा, लेकिन वे भी जानते हैं कि उनकी यह बात विश्वसनीय नहीं है। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार) (ये लेखक के अपने विचार हैं)

तेहरान अब एक सीख है

तेहरान की सरकार ने जल-संकट से निपटने के लिए 'स्मार्ट मीटरिंग' के साथ पानी के दबाव में कटौती की है, परंतु यह समस्या को वक्ती तौर पर टालने से अधिक कुछ भी नहीं। अगर हालात ऐसे ही रहे, तो अमेरिकी प्रक्षेपास्त्रों से ज्यादा पानी की कमी यहां के लोगों के लिए घातक साबित होगी। तेहरान क्या 'डे जीरो' की ओर बढ़ रहा है? मेरे इस सवाल से गफलत में न आएं। मैं अमेरिका के संभावित हमले का नहीं, बल्कि वहां उपजे अभूतपूर्व जल-संकट की ओर इशारा कर रहा हूं। चौतरफा समस्याओं से जूझ रही यह महानगरी बाहरी जंग के साथ इस कभी न खत्म होने वाली आपदा से भी पीड़ित है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने पीड़ापूर्वक कहा है कि देश की राजधानी को स्थानांतरित करना अब विकल्प नहीं, मजबूरी है।

(शशि शेखर)

तेहरान पर ये दुर्दिन अचानक नहीं टूटे हैं। इसका सिलसिला लंबा है। यहां की जलापूर्ति का मुख्य स्रोत अल्बोर्ज पर्वतमालाओं की बर्फ है। जितनी बर्फ पड़ेगी, उतनी ही पिघलेगी और पिघलती हुई हर बूंद यहां के लोगों के सूखते हलक भिगोने के काम आएगी। सदियों पुराना यह सिलसिला 'ग्लोबल वार्मिंग' की चपेट में आ गया है। बर्फ पड़नी कम हो गई है और साल-दर-साल आबादी की बढ़ोतरी के साथ यहां से प्राप्त होने वाली जल-संपदा में घटोतरी हो रही है। नतीजतन, भूजल का भयंकर दोहन जारी है और इसकी वजह से यहां आबादी वाले इलाकों में भी जमीन का धंसना जारी है।

क्या आपको यहां भारतीय शहरों की याद नहीं आ रही? हमारा हाल भी कुछ जुदा नहीं, मगर इस पर आगे चर्चा करेंगे। पहले ईरान की पूरी बात। तेहरान की सरकार ने इससे निपटने के लिए 'स्मार्ट मीटरिंग' के साथ पानी के दबाव में कटौती की है, परंतु यह समस्या को वक्ती तौर पर टालने से अधिक कुछ भी नहीं। अगर हालात ऐसे ही रहे, तो अमेरिकी प्रक्षेपास्त्रों से ज्यादा पानी की कमी यहां के लोगों के लिए घातक साबित होगी। तेहरान आधुनिक युग में उजड़ने वाली दूसरी राजधानी साबित हो सकती है।

इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता पर यह आफत पहले से तारी है। जकार्ता को जलसंकट के चलते नुसंतारा स्थानांतरित किया जा रहा है। वजह? जकार्ता में पाइप के जरिये पानी की आपूर्ति सिर्फ 40 फीसदी आबादी तक ही है। भूजल जकार्तावासियों को पालता-पोसता है। नतीजतन, यह शहर 20 से 28 सेंटीमीटर प्रतिवर्ष की दर से नीचे की ओर धंस रहा है। एक तरफ जमीन धंस रही है, तो दूसरी तरफ समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है। अब तक इस महानगर के 40 फीसदी हिस्से को सागर की लहरें लील चुकी हैं। आशंका जताई जा रही है कि अगले 25 वर्षों में इसका रहा बचा इलाका समुद्र में गुम हो जाएगा।

हमारे देश के 21 शहर भयंकर जल-संकट की चपेट में हैं। इनमें नई दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे और चेन्नई जैसे अति-महत्वपूर्ण महानगर शामिल हैं। बंगाल की खाड़ी के किनारे बसे चेन्नई में तो सन् 2019 में 'डे जीरो' जैसे हालात पैदा हो गए थे और आसपास के शहरों से ट्रेन के जरिये पानी पहुंचाना पड़ा था।

भूजल के अत्यधिक दोहन की वजह से बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे में भी वैसे लक्षण प्रकट होने लगे हैं, जैसे शुरुआत में तेहरान या जकार्ता में हुए थे। यहां भी भूजल स्तर रसातल की ओर जा रहा है और जमीन धंसने की घटनाएं बढ़ रही हैं। बेंगलुरु को देश की 'डिजिटल कैपिटल' कहा जाता है, लेकिन यह आधुनिकता भला किस काम की, जब यहां के लोग

और सरकार इस दिशा में कोई सार्थक कदम नहीं उठा पा रहे? देश की राजधानी दिल्ली के हालात भी दयनीय हैं। यहां बरसों से पानी की राशनिंग लागू है। रोहिणी जैसे तमाम जनसंकुल इलाके ऐसे हैं, जहां दिनवार तरीके से जलापूर्ति की जाती है। यमुना के किनारे बसे इस शहर में कभी 24 घंटे पानी आता था। अब यमुना में अमोनिया की मात्रा इतनी अधिक हो गई है कि उसका जल ग्रहण करने योग्य नहीं रह बचा है। नतीजतन, यहां टैंकर माफिया सक्रिय हैं और एक बड़ी आबादी को उनसे मनमाने दामों पर आवश्यकता का पानी खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ता है। राजधानी की 90 फीसदी जलापूर्ति उत्तर प्रदेश और हरियाणा जैसे पड़ोसी राज्यों पर निर्भर है। अवर्षण या अत्यधिक गरमी की वजह से जब इन राज्यों में जलसंकट शुरू होता है, तब दिल्लीवासी इसका सर्वाधिक शिकार बनते हैं। ऐसा नहीं है कि हुकूमत ने इस मुद्दे पर आंखें मूंद रखी हैं। केंद्र सरकार ने अटल भूजल योजना, नदी जोड़ो अभियान, रेन वाटर हार्वेस्टिंग और डिजिटल वाटर ग्रिड जैसी तमाम योजनाएं लागू की हैं। अटल भूजल योजना के जरिये लोगों को जल-वितरण में साझी जिम्मेदारी सौंपने का प्रयास है। जल संबंधी जागृति बढ़ाने के लिए कई शहरों में पीजो मीटर स्थापित किए गए हैं। ये मीटर लोगों को गिरते भूगर्भीय जल की ताजातरीन स्थिति से वाकिफ कराते हैं। इजरायल से 'ड्रिप इरिगेशन' की तकनीक भी हासिल की गई है, ताकि 60 से 70 फीसदी जल सिंचाई के दौरान बचाया जा सके। जल की रिसाइक्लिंग के जरिये 90 फीसदी के करीब जलभंडार को पुनः रोजमर्रा के काम में लाने की कवायद भी जोरों से जारी है। विदेश की कुछ कंपनियां वायु से जल बनाने में महारत हासिल कर चुकी हैं। एक नामचीन मंत्री तो अपने आवास में इस विधि से हासिल जल का ही उपयोग करते हैं। यह बात अलग है कि ऐसी तकनीक तक आम आदमी को पहुंचने में वर्षों लग जाएंगे। मैं आपका ध्यान नदी जोड़ो अभियान की ओर आकर्षित करना चाहूंगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यभार सम्हालते ही इस अभियान की शुरुआत की थी और इसके प्रथम चरण में केन और बेतवा नदी को जोड़ने का काम चालू है। अगर यह प्रयोग सफल रहा, तो हम तेजी से पनपते जल-संकट पर काफी कुछ काबू पा सकेंगे।

हालांकि, बहुत से जानकार इसे खर्चीला और दूरगामी बताते हैं। जल-संकट, जलवायु और बिगड़ते पर्यावरण में घनिष्ठ संबंध है। दुनिया के साथ भारत में तेजी से इनके बिगड़ने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। ईरान के अल्बोर्ज पर्वत की तरह हिमालय की चोटियां भी अब पहले जैसी घनी बर्फ का इंतजार करती हैं। हिमपात में कमी और बढ़ती गर्मी की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और गंगा, यमुना सतलुज, रावी जैसी सदानीराएं बेहाल हैं। इन्हें प्रदूषण ने भी अपनी जकड़न में ले रखा है।मैं अपनी एक आपबीती बताता हूं। गुजरी वसंत पंचमी को मैं देहरादून में था। शिवालिक की गोद में बसी एक घाटी में उस दिन जबरदस्त बारिश हुई और ओले पड़े। साथ ही पड़ोस की पर्वत शृंखलाओं पर मौसम की पहली बर्फबारी भी हुई। बताने की जरूरत नहीं कि वसंत पंचमी का दिन उत्तर भारत में शीत ऋतु की विदाई का मौका माना जाता था। उस दिन कड़ाके की सर्दी, बर्फबारी और वर्षा को देख एक सहयोगी की टिप्पणी थी- अब वसंत का मौसम खत्म हो गया है। बातों ही बातों में वह बहुत गहरी बात कह गए थे। यह सिर्फ एक मौसम का अंत नहीं, बल्कि हमारी आपकी जिंदगी से वसंत की स्थायी विदाई का त्रासद संकेत भी है।

स्वच्छता मिशन को गति देने बस्तर के गांवों में पहुँची राज्य और यूनिसेफकी टीम

मॉडल ग्राम पंचायतों के निर्माण पर जोर

जगदलपुर। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के दूसरे चरण के अंतर्गत बस्तर जिले की ग्राम पंचायतों को ओडीएफ प्लस मॉडल के रूप में विकसित करने की कवायद तेज हो गई है। इसी कड़ी में 11 और 12 फरवरी को राज्य सलाहकार श्री पुरुषोत्तम पांडा, जिला समन्वयक बस्तर, यूनिसेफ प्रतिनिधि श्री सुधांशु पाण्डेय और संबंधित विकासखंड समन्वयकों के संयुक्त दल ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों का सघन भ्रमण किया। इस दो दिवसीय भ्रमण का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता गतिविधियों की जमीनी समीक्षा करना और पंचायतों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना रहा। दौरे के पहले दिन टीम जगदलपुर विकासखंड की ग्राम पंचायत नगरनार पहुँची, जहां सरपंच एवं अन्य पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस दौरान नगरनार को एक मॉडल ग्राम पंचायत के रूप में स्थापित करने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। राज्य सलाहकार ने ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन को सुदृढ़ करने के निर्देश देते हुए कहा

कि कचरा संग्रहण व्यवस्था को एमआरएफ से जोड़ना अनिवार्य है। बैठक में पंचायत स्तर पर ई-रिक्शा के माध्यम से कचरा संग्रहण कार्य शुरू करने और इसमें महिला समूहों को शामिल करने पर सहमति बनी। साथ ही, पंचायत की सुंदरता और स्वच्छता कार्यों के लिए एनएमडीसी के सीएसआर फंड का प्रभावी उपयोग करने की संभावनाओं को भी तलाशा गया। भ्रमण के दूसरे दिन टीम ने दरभा, तोकापाल और बस्तर विकासखंडों की पंचायतों का मैराथन भ्रमण किया। दरभा के कामानार में सेग्रीगेशन शेड के निरीक्षण के दौरान स्वच्छताग्राही दीदियों के कार्यों की सराहना की गई और उन्हें 15वें वित्त आयोग से समय पर भुगतान व सेफ्टी किट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। यहाँ आयोजित वजन तिहार कार्यक्रम में टीम ने कुपोषण और स्वच्छता के अंतर्संबंधों पर ग्रामीणों से संवाद किया। इसी क्रम में तोकापाल के सिंगनपुर में सामुदायिक स्वच्छता परिसरों को शादी-विवाह जैसे सार्वजनिक आयोजनों हेतु उपयोग शुल्क निर्धारित कर संचालित करने का नवाचारी सुझाव दिया गया, ताकि पंचायत की आय में वृद्धि हो सके। ?निरीक्षण की इस कड़ी में धरमाउर स्थित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट और सोनारपाल के फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट की कार्यप्रणाली को भी परखा गया। टीम ने इन संयंत्रों को क्लीन एंड ग्रीन मानकों के अनुरूप चलाने और इनकी नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। स्कूलों और आंगनबाड़ियों में गंदे जल के प्रबंधन हेतु सोख्ता गड्ढों और नाडेप निर्माण पर विशेष जोर दिया गया ताकि शिक्षण संस्थान स्वच्छता के केंद्र बन सकें। अंत में जिला पंचायत में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक में फील्ड विजिट के निष्कर्षों को साझा करते हुए जिले की स्वच्छता रैंकिंग में सुधार लाने हेतु आगामी कार्ययोजना तैयार की गई।

जगदलपुर से पंकज आचार्य को भाजपा आईटी सेल संभाग प्रभारी की मिली जिम्मेदारी

जगदलपुर। भारतीय जनता पार्टी आईटी सेल छत्तीसगढ़ संगठन को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने की दिशा में प्रदेश नेतृत्व द्वारा एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव की सहमति से भारतीय जनता पार्टी आईटी सेल छत्तीसगढ़ प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा की गई। जिसमें पार्टी के सक्रिय, अनुभवी एवं संगठन के प्रति समर्पित कार्यकर्ता पंकज आचार्य को भारतीय जनता पार्टी आईटी सेल संभाग प्रभारी नियुक्त किया गया है। पंकज लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक कार्यों से जुड़े हुए हैं। उन्होंने पूर्व में नगर मंत्री भाजपा युवा मोर्चा, प्रदेश कार्य समिति सदस्य युवा मोर्चा, भारतीय जनता पार्टी सोशल मीडिया प्रभारी, जिला कार्यालय मंत्री भाजपा, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य आईटी सेल एवं संगठन के विभिन्न दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है। जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं के साथ सतत संवाद और संगठनात्मक अनुभव के चलते उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

वर्तमान समय में आईटी सेल सबसे प्रभावी माध्यम बन चुका है। ऐसे में पंकज आचार्य की नियुक्ति से भाजपा की विचारधारा, सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं संगठनात्मक गतिविधियों को आम जनता तक तेजी और प्रभाव के साथ पहुंचाने में मजबूती मिलेगी। उन्होंने आईटी सेल में महत्वपूर्ण कार्य किया है।अपनी नियुक्ति पर पंकज ने प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने जो विश्वास उन पर जताया है, वे उस पर पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी की सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों और जनहितैषी योजनाओं को आईटी सेल के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता रहेगी।पंकज आचार्य ने प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, संगठन महामंत्री पवन साय , आईटी सेल सयोंजक, जिलाध्यक्ष वेदप्रकाश पांडेय एवं समस्त वरिष्ठ पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे सभी कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय बनाकर संगठन को आईटी सेल पर और अधिक मजबूत करेंगे। इस नियुक्ति को लेकर पार्टी के कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में उत्साह का माहौल है। सभी ने पंकज आचार्य को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की है कि उनके नेतृत्व में भाजपा आईटी सेल छत्तीसगढ़ संगठन नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।

जनपद पंचायत कोंटा में प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा

दूरस्थ ग्राम बंडा पहुंचे अधिकारी, 200 से अधिक निर्माणाधीन आवासों का किया निरीक्षण

सुकमा। कलेक्टर श्री अमित कुमार के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री मुकुन्द ठाकुर के मार्गदर्शन में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के क्रियान्वयन में तेजी लाने के लिए आज एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक और मैदानी निरीक्षण किया गया।

लंबित आवासों पर जवाबदेही तय-उप संचालक पंचायत श्री रविशंकर वर्मा तथा जनपद पंचायत कोंटा के सीईओ श्री सुमित ध्रुव ने उन ग्राम पंचायतों के सचिवों की बैठक ली, जहाँ आवास निर्माण का कार्य सर्वाधिक लंबित है। अधिकारियों

ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी अपूर्ण आवासों को तत्काल पूर्ण कराया जाए और हितग्राहियों को समय पर किश्त का भुगतान सुनिश्चित हो। कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही की चेतावनी दी गई है।

वनांचल ग्राम बंडा का जमीनी निरीक्षण-समीक्षा बैठक के पश्चात अधिकारियों की टीम ने दूरस्थ ग्राम पंचायत बंडा का दौरा किया, जहाँ 200 से अधिक आवास स्वीकृत हैं। टीम ने निर्माणाधीन मकानों की भौतिक प्रगति का अवलोकन किया और संबंधित रोजगार सहायकों व सचिवों को प्राथमिकता के आधार पर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला समन्वयक, आवास समन्वयक, सरपंच और सचिव उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय व्हॉलीबॉल प्रतियोगिता का समापन, बीजापुर स्पोर्ट्स एकेडमी ने जीता खिताब

बीजापुर। शहर के मिनी स्टेडियम में आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय व्हॉलीबॉल प्रतियोगिता का शनिवार को समापन हो गया। 12 और 13 फरवरी को हुई इस प्रतियोगिता में जिले की 28 टीमों ने हिस्सा लिया और दर्शकों को कई कड़े मुकाबले देखने को मिले। फाइनल मुकाबले में बीजापुर स्पोर्ट्स एकेडमी की टीम ने शानदार तालमेल और आक्रामक खेल दिखाते हुए खिताब अपने नाम किया। गंगालूर की टीम दूसरे स्थान पर रही, जबकि अम्मा मार्केटिंग ने तीसरा स्थान हासिल किया।

कद इनाम के साथ ट्रॉफी-समापन समारोह में जनप्रतिनिधियों ने विजेता टीम को 51 हजार रुपये और ट्रॉफी, उपविजेता को 21 हजार रुपये तथा तीसरे स्थान की टीम को 11 हजार रुपयेऔर ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

व्यक्तिगत पुरस्कार भी दिए गए-टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को अलग से सम्मान मिला। नागेश पेरमा को बेस्ट प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। सुधाकर सोढ़ी बेस्ट अटैकर, रोहित मिंज बेस्ट लिफ्टर और सीनू हेमला बेस्ट ब्लॉकर घोषित किए गए। अन्य खिलाड़ियों को भी प्रोत्साहन पुरस्कार दिए गए।

शीर्ष टीमों को राष्ट्रीय स्तर पर मौका -प्रतियोगिता की टॉप चार टीमों को 18, 19 और 20 फरवरी को होने वाले ऑल इंडिया टूर्नामेंट में सीधे प्रवेश मिलेगा। इससे खिलाड़ियों को बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।

कई जनप्रतिनिधि रहे मौजूद - समापन समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा, नगरपालिका अध्यक्ष गीता सोम पुजारी, जिला पंचायत सदस्य शंकरैया माड़वी और नीना रावतिया, जनपद अध्यक्ष उसूर पूर्णिमा तेलम, कलेक्टर संबित मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ नम्रता चौबे, संयुक्त कलेक्टर जागेश्वर कौशल और जिला खेल अधिकारी नारायण प्रसाद गवेल सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे। दो दिनों तक चली इस प्रतियोगिता ने स्थानीय खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अच्छा अवसर दिया।

नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी के नेतृत्व में वार्डवासियों ने बाउंड्री वॉल की सीमा वर्तमान सीमा में रखने हेतु सौंपा ज्ञापन

जगदलपुर। नगर पालिक निगम जगदलपुर के नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी ने जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि भगत सिंह वार्ड क्रमांक 06 में लालबाग स्थित पी टी एस घेरा के बाउंड्री वॉल बनाने से बगल से गई पुरानी नाली की सफाई कराने में परेशानी होगी जिसे लेकर पी टी एस के अधिकारियों से बाउंड्री वॉल नाली से लगभग 4 फुट दूरी पर बनाने का आग्रह किया गया परंतु पी टी एस के अधिकारी उक्त परेशानी को नजर अंदाज करके जबरन बाउंड्री वॉल बनाने की बात कर रहे हैं जिससे वार्ड वासियों को भविष्य में नाली सफाई को लेकर काफी परेशानी होगी तथा नवनिर्मित आईजी कार्यालय का आउटलेट भी इस नाली से जाता है पी टी एस का पानी भी इसी नाले से जाता है बावजूद इसके पी टी एस के अधिकारी के द्वारा नाली से सटाकर बाउंड्री वॉल बनाने की बात की जा रही है जिसे लेकर वार्ड वासियों के द्वारा आयुक्त नगर पालिक निगम जगदलपुर को आवेदन दिया तथा वार्ड वासियों ने नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी के नेतृत्व में बस्तर आई. जी. श्री पी. सुंदर राज जी को भी समस्या को लेकर आवेदन दिया जिस पर आईजी साहब के द्वारा संबंधित विभाग से बात करके समस्या का समाधान करवाने का आश्वासन दिया वार्ड वासियों के द्वारा अवगत कराया गया कि नाली की जहां समस्या है उस लाइन में शहीद उपेंद्र साहू जी का भी मकान आता है और उनके परिवार इस लाइन में रहते हैं। आईजी साहब एवं आयुक्त नगर निगम जी के आश्वासन के बाद वार्डवासी संतुष्ट हुए एवं जल्द समस्या का निधन करने का आग्रह किया।

बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा शहीदों को श्रद्धांजलि

जगदलपुर। बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी (शहर) के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए वीर जवानों को सिरहासर स्थित शहीद स्मारक पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का आयोजन शहर अध्यक्ष सुशील मौर्य के निर्देश पर किया गया। इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दो मिनट का मौन रखकर देश की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों को नमन किया। वक्ताओं ने कहा कि देश शहीद जवानों के बलिदान को कभी नहीं भूल सकता और उनकी शहादत सदैव प्रेरणा देती रहेगी।कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेसी रामशंकर राव, महिला कांग्रेस अध्यक्ष लता निषाद, सुषमा सुता, अमरनाथ सिंह, वेंकट राव, व्यापारी प्रकोष्ठ अध्यक्ष राजेंद्र पटवा, अल्पसंख्यक अध्यक्ष रोजविन दास, यूंका शहर अध्यक्ष निकेत राज झा, एनएसयूआई शहर अध्यक्ष विशाल खंबारी सहित कमलेश पाठक, ललिता राव, नीतीश शर्मा, एस. नीला, कमला भत्तरा, मनोज मंडावी, मोहसिन खान, हंसु नाग, देवांश दास, खीरेंद्र यादव और समीर कुमार समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

कांकेर-नारायणपुर सीमावर्ती क्षेत्र में नक्सलियों का बड़ा डंप बरामदद्ध भारी मात्रा में हथियार एवं विस्फोटक सामग्री जब्त

कांकेर। कांकेर जिले के कांकेर-नारायणपुर सीमावर्ती क्षेत्र अंतर्गत थाना छोटेबेठिया क्षेत्र के ग्राम बीनागुंडा के समीप नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखे गए एक बड़े डंप का सुरक्षा बलों ने सफलतापूर्वक खुलासा किया है। संयुक्त अभियान के दौरान भारी मात्रा में हथियार, आईईडी एवं अन्य नक्सली सामग्री बरामद की गई है। सुरक्षा बलों को मिली गुप्त सूचना के आधार पर डीआरजी एवं बीएसएफ की संयुक्त टीम ने क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन चलाया। तलाशी के दौरान जमीन में छिपाकर रखी गई नक्सली सामग्री बरामद की गई। बरामद सामग्री में बीजीएल लॉन्चर (02 नग), 12 बोर बंदूक (02 नग), एयरगन (01 नग), डायरेक्शनल आईईडी (03 नग), टिफिन आईईडी (लगभग 05 किग्रा), बीजीएल बम (30 नग), 12 बोर राउंड (26 नग), बारूद (लगभग 02 किग्रा), मल्टीमीटर (01 नग), बिजली वायर (02 बंडल), पाउच (02 नग), स्प्लिंटर (01 पैकेट) तथा अन्य दैनिक उपयोग की नक्सली सामग्री शामिल है।सुरक्षा बलों की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से एक बड़ी नक्सली साजिश नाकाम हुई है। लगातार चलाए जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के कारण नक्सलियों पर दबाव बढ़ रहा है और वे अपने ठिकाने छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं। क्षेत्र में सर्चिंग अभियान निरंतर जारी है। यह संयुक्त कार्रवाई पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज जगदलपुर सुंदरराज पी. के मार्गदर्शन, पुलिस अधीक्षक कांकेर निखिल कुमार राखेचा के निर्देशन, तथा बीएसएफ डीआईजी सेक्टर कन्हारगांव (भानुप्रतापपुर) ओमप्रकाश एवं 94वीं वाहिनी बीएसएफ के सेनानी रायचंद्र सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुई।

छात्रावास अधीक्षकों की बैठक, स्वास्थ्य और व्यवस्थाओं पर दिया गया विशेष ध्यान

बीजापुर। समग्र शिक्षा के तहत नेताजी सुभाष चंद्र बोस छात्रावासों के अधीक्षकों और अधीक्षिकाओं की बैठक आयोजित की गई। जिला मिशन समन्वयक भवानी शंकर रेड्डी ने बैठक में छात्र-छात्राओं की पढ़ाई, स्वास्थ्य और छात्रावास की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने पर जोर दिया। बैठक में विद्यार्थियों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने, जाति और जन्म प्रमाण पत्र समय पर बनवाने, उपस्थिति सुनिश्चित करने और छात्रावास परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए गए। बैठक में निर्देशित किया गया कि बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और पढ़ाई से जुड़े मामलों में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। छात्रावासों में पढ़ाई का माहौल नियमित और अनुशासित रखने पर भी जोर रहा। बैठक के अंत में अधीक्षकों और अधीक्षिकाओं ने जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करने और विद्यार्थियों के हित में पूरी निष्ठा से काम करने का भरोसा दिलाया। माना जा रहा है कि इस पहल से छात्रावासों की व्यवस्था और मजबूत होगी।

निर्माण कार्यों में गति और गुणवत्ता लाने के दिए सख्त निर्देश

कलेक्टर ने किया जिला मुख्यालय के शासकीय संस्थानों का औचक निरीक्षण

सुकमा। शनिवार कलेक्टर अमित कुमार ने शनिवार को जिला मुख्यालय सुकमा स्थित विभिन्न शासकीय संस्थानों और निर्माणाधीन परियोजनाओं का सघन औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और सभी प्रोजेक्ट्स को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करना अनिवार्य होगा।

लाइब्रेरी को 'ईको-फ्रेंडली' और आधुनिक बनाने पर जोर-कलेक्टर ने अपने भ्रमण की शुरुआत सेंट्रल लाइब्रेरी के निरीक्षण से की। उन्होंने निर्माणाधीन भवन की प्रगति का जायजा लेते हुए इसे शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लाइब्रेरी को न केवल सर्वसुविधायुक्त बनाया जाए, बल्कि इसे आकर्षक और ईको-फ्रेंडली स्वरूप भी दिया जाए। उन्होंने वहां आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता और निर्माण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया।

अमृत मिशन की समीक्षा-निरीक्षण के दौरान उन्होंने नगरपालिका क्षेत्र में अमृत मिशन के तहत बनाई जा रही पानी टंकी का भी अवलोकन किया और जल प्रदाय व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए निर्माण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने हेतु संबंधित अधिकारियों को पाबंद किया।

सुपोषण चौपाल और वृद्धाश्रम का जायजा-सामाजिक सरोकारों को प्राथमिकता देते हुए कलेक्टर बगीचापारा स्थित आँगनबाड़ी केंद्र पहुंचे, जहाँ उन्होंने 'सुपोषण चौपाल' के तहत हितग्राहियों से सीधा संवाद किया।

इसके बाद उन्होंने प्रस्तावित वृद्धाश्रम के भवन का निरीक्षण किया और वहां बुजुर्गों के लिए आवश्यक सुविधाओं व संसाधनों की व्यवस्था एक तय समय-सीमा के भीतर करने के निर्देश दिए।

साइंस पार्क में जुड़ेंगे एआई और वीआर जैसे आधुनिक सेक्शन-शिक्षा और तकनीक के क्षेत्र में नवाचार करते हुए कलेक्टर ने साइंस पार्क के निरीक्षण के दौरान महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने पार्क में वीआर लैब और एआई ट्रेनिंग सेक्शन बनाने के निर्देश दिए। बायोलॉजी, केमिस्ट्री और फिजिक्स लैब में बच्चों के लिए उत्कृष्ट व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

स्पोर्ट्स सेंटर में बढ़ाए जाएंगी सुविधाएं, जल्द तैयार होगा खेल मैदान-कलेक्टर ने मल्टियूटिलिटी स्पोर्ट्स सेंटर का भी बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने स्विमिंग पूल, बैडमिंटन कोर्ट, क्रिकेट वॉलीबॉल कोर्ट और बाउंड्रीवाल के निर्माण कार्यों की समीक्षा की।

कार्यों में विलंब न हो, इसके लिए उन्होंने लेबर (श्रमिकों) की संख्या बढ़ाने और लेआउट के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण निर्माण करने के कड़े निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान संबंधित जिलाधिकारी उपस्थित थे।

प्रतापपुर की धार्मिक धरोहर शिवपुर में महाशिवरात्रि पर उमड़ा आस्था का सागर

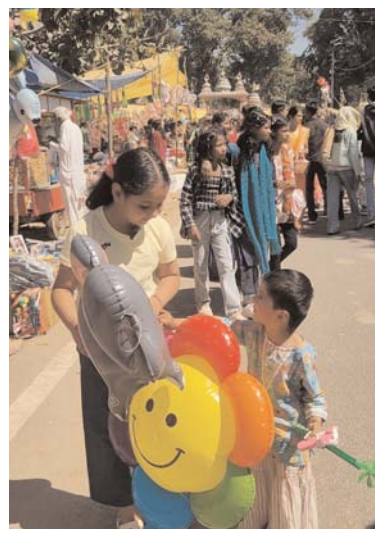

सूरजपुर। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर प्रतापपुर विकासखंड के प्रसिद्ध शिवपुर धाम में आस्था और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला । प्रतापपुर जनपद मुख्यालय से लगभग 4 किलोमीटर दूर स्थित शिवपुर में विराजित जलेश्वरनाथ शिवलिंग के दर्शन हेतु महाशिवरात्रि पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रही । अनुमान है कि इस दिन एक लाख से अधिक श्रद्धालु यहां पहुंचें। शिवपुर को प्रतापपुर की प्रमुख धार्मिक धरोहर माना जाता है। इसका ऐतिहासिक संबंध प्राचीन राजपरिवार से जुड़ा बताया जाता है। जानकारी अनुसार एक राजा को स्वप्न में यहां शिवलिंग होने का संकेत मिला था। स्वप्न के आधार पर खुदाई कर शिवलिंग की स्थापना की गई और तभी से यहां नियमित पूजा-अर्चना प्रारंभ हुई। पहले खुले स्थान पर पूजा होती थी, बाद में मंदिर का भव्य निर्माण कराया गया। मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता जलेश्वरनाथ शिवलिंग है, जिसके चारों ओर प्राकृतिक जलधारा चौबीसों घंटे प्रवाहित होती रहती है। यही कारण है कि इसे ÷जलेश्वरनाथ÷ कहा जाता है। मान्यता है कि शिवलिंग में भगवान शंकर और माता पार्वती दोनों के स्वरूप के दर्शन होते हैं। निरंतर बहने वाले इस जल को गंगा तुल्य पवित्र माना जाता है। पहाड़ियों के बीच से आने वाले इस जल के स्रोत का आज तक स्पष्ट पता नहीं चल सका है। वर्षा ऋतु में जल की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे आसपास के किसानों को सिंचाई में भी लाभ मिलता है। महाशिवरात्रि पर यहां विशाल मेले का आयोजन किया गया। मंदिर समिति द्वारा भंडारे, रात्रि जागरण, भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर पुलिस बल तैनात किया गया था। मंदिर परिसर में स्थित प्राचीन ठाकुर बाड़ी (राधा-कृष्ण) मंदिर भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहा, जहां काष्ठ से निर्मित श्रीकृष्ण, सुभद्रा और दाऊ की मूर्तियां विराजमान हैं। चारों ओर पहाड़, हरियाली और शांत वातावरण शिवपुर को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर देता है। आज महाशिवरात्रि पर शिवपुर धाम ÷हर-हर महादेव÷ के जयघोष से गुंजायमान रहा।

चर्च रोड पर चलती SUV में स्टंटबाजी, तीन नाबालिग हिरासत में

अम्बिकापुर। शहर के गांधीनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत चर्च रोड पर चलती एसयूवी कार में खतरनाक स्टंटबाजी करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन नाबालिगों को हिरासत में लिया है तथा संबंधित एसयूवी वाहन को जब्त कर लिया है। सभी नाबालिग नवमी और दसवीं कक्षा के छात्र बताए जा रहे हैं।जानकारी के अनुसार, नाबालिग कार की बोनट पर बैठकर और गर्दन बाहर निकालकर वाहन चला रहे थे। इस दौरान सड़क पर यातायात सामान्य रूप से संचालित हो रहा था, जिससे किसी भी समय गंभीर हादसा हो सकता था। स्टंटबाजी का यह पूरा घटनाक्रम सड़क किनारे लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर गांधीनगर थाना पुलिस ने मामले की जांच कर आरोपियों की पहचान की और उन्हें हिरासत में लिया। वाहन को जब्त कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। नगर पुलिस अधीक्षक राहुल बंसल ने कहा कि यातायात नियमों की अनदेखी कर इस प्रकार की स्टंटबाजी न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि स्वयं और अन्य लोगों की जान को जोखिम में डालना भी है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों पर नजर रखें और उन्हें सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करें।

बैजनाथपुर में सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का शुभारंभ, युवाओं ने दिया नशा मुक्ति का संदेश

सूरजपुर। शासकीय नवीन महाविद्यालय ओड़गी की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा ग्राम बैजनाथपुर में सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ 13 फरवरी को किया गया। इस वर्ष शिविर की थीम ÷नशा मुक्त समाज के लिए युवा÷ रखी गई है, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों द्वारा ग्रामीणों में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया गया है। शिविर का उद्घाटन जनपद सदस्य प्रतिनिधि सुश्री नेहा सिंह के मुख्य आतिथ्य तथा ग्राम सरपंच दुलार सिंह आगरे की अध्यक्षता में हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत स्वामी विवेकानंद, मां सरस्वती एवं छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ की गई। महाविद्यालय के प्राचार्य एवं कार्यक्रम अधिकारी रंजीत कुमार सातपुते ने शिविर की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि इसका उद्देश्य विद्यार्थियों और ग्रामीणों में स्वच्छता, स्वास्थ्य, मतदाता जागरूकता, नशा मुक्ति, बाल विवाह उन्मूलन एवं पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर जनजागरण करना है। मुख्य अतिथि सुश्री नेहा सिंह ने एनएसएस से जुड़े अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि यह योजना युवाओं में आत्मानुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी का भाव विकसित करती है। सरपंच दुलार सिंह आगरे ने स्वयंसेवकों का स्वागत करते हुए इसे ग्राम के लिए सौभाग्य बताया। शिविर में कु. सीता सहित महाविद्यालय के प्राध्यापकगण भी उपस्थित रहे।

मातृ-पितृ दिवस पर प्राथमिक शाला उरांवपारा में संस्कारों की अनूठी मिसाल

सूरजपुर। रामानुजनगर विकासखंड अंतर्गत शासकीय प्राथमिक विद्यालय उरांवपारा, मदनेश्वरपुर में मातृ-पितृ दिवस के अवसर पर भावपूर्ण एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना और विद्यालय प्रार्थना से हुआ, जिसके पश्चात विद्यार्थियों ने माता-पिता के सम्मान और सेवा का संकल्प लिया।नन्हे बच्चों ने अपने माता-पिता का आरती-तिलक कर पुष्पवर्षा की तथा उनके चरण स्पर्श कर आशीर्वाद प्राप्त किया। ÷मेरे माता-पिता÷, ÷माँ का प्यार÷ और ÷मेरा परिवार÷ विषयों पर बनाए गए आकर्षक चित्रों एवं धन्यवाद कार्डों ने अभिभावकों का मन मोह लिया। कविता-पाठ, भाषण, समूह-गीत और प्रेरक नारों के माध्यम से विद्यार्थियों ने माता-पिता के त्याग, प्रेम और मार्गदर्शन का महत्व प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।प्रधानपाठक संजय साहू ने अपने संबोधन में कहा कि माता-पिता बच्चों के प्रथम गुरु होते हैं, जो उन्हें जीवन के संस्कार देते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रतिदिन प्रातः उठकर मातृभूमि को प्रणाम करने तथा माता-पिता का आशीर्वाद लेकर दिनचर्या आरंभ करने की प्रेरणा दी। अभिभावकों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे संस्कार निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए गए।

राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में शिक्षक-शिक्षिकाएं, विद्यार्थी एवं अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

20 फरवरी से शुरू होंगी हाईस्कूल-हायर सेकण्डरी बोर्ड परीक्षाएं, 75 केन्द्रों पर 17,756 विद्यार्थी होंगे शामिल

अंबिकापुर । छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल, रायपुर द्वारा संचालित हाईस्कूल एवं हायर सेकण्डरी परीक्षा वर्ष 2026 जिले के निर्धारित 75 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जाएगी। हायर सेकण्डरी परीक्षा 20 फरवरी 2026 से 18 मार्च 2026 तथा हाईस्कूल परीक्षा 21 फरवरी 2026 से 13 मार्च 2026 तक संपन्न होगी। दोनों परीक्षाओं का समय प्रतिदिन प्रातः 09:00 बजे से 12:15 बजे तक निर्धारित किया गया है। इस वर्ष जिले में कुल हाईस्कूल के 9,731 तथा हायर सेकण्डरी के 8,025 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं, इस प्रकार कुल 17,756 विद्यार्थी बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित होंगे। मंडल पार्टी द्वारा परीक्षा की गोपनीय सामग्री का वितरण 16 फरवरी 2026 को प्रातः 10:00 बजे से समन्वय संस्था शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, अम्बिकापुर में किया जाएगा। जिले के समस्त 75 परीक्षा केन्द्रों के केन्द्राध्यक्ष/प्राचार्य एक सहयोगी के साथ अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर सामग्री प्राप्त करेंगे। सामग्री प्राप्ति हेतु दो कुन्दों (दो ताले) वाली 02 पेटियां (ताला-चाबी सहित) साथ लाना अनिवार्य किया गया है।

हाईस्कूल एवं हायर सेकण्डरी की गोपनीय सामग्री अलग-अलग पेटियों में सुरक्षित रखी जाएगी। इसके पश्चात निर्धारित रूट चार्ट-09 के अनुसार 1 से 4 सशस्त्र बल की सुरक्षा में बस के माध्यम से परिवहन कर संबंधित थाना/चौकी में पेटियां सुरक्षित रखी जाएंगी। परीक्षाओं की गोपनीयता, सुरक्षा एवं सुचारू संचालन सुनिश्चित करने हेतु जिला प्रशासन, शिक्षा विभाग एवं पुलिस विभाग द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

870 प्रशिक्षु उपनिरीक्षकों हेतु संवादात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम का स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल एवं शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने किया शुभारंभ

रायपुर । नेताजी सुभाष चंद्र बोस राज्य पुलिस अकादमी, चंदखुरी के तत्वावधान में माना स्थित पुलिस प्रशिक्षण संस्थान में 870 प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए एक अभिनव संवादात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल एवं शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव द्वारा किया गया। इस पहल में पुलिस अकादमी चंदखुरी में प्रशिक्षणरत 537 उपनिरीक्षक, पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय माना के 54 सूबेदार, 211 प्लाटून कमांडर तथा 68 उपनिरीक्षक (एसबी) शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि इन प्रशिक्षुओं के बुनियादी प्रशिक्षण का शुभारंभ 03 मार्च 2025 को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के करकमलों से हुआ था। वर्तमान में इनकी अंतिम परीक्षाएं संचालित की जा रही हैं। प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरांत सभी अधिकारियों को एक वर्ष के जिला व्यवहारिक प्रशिक्षण हेतु प्रदेश के विभिन्न जिलों में पदस्थ किया जाएगा। इस विशेष संवादात्मक कार्यक्रम की रूपरेखा उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा तथा पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम के मार्गदर्शन में तैयार की गई है।कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षुओं को शासन की नीतियों, प्रशासनिक दृष्टिकोण और जनसेवा के मूल्यों से सीधे परिचित कराना है। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने भारत में पुलिस व्यवस्था के ऐतिहासिक विकास, वर्तमान चुनौतियों तथा आधुनिक पुलिसिंग की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि प्रशिक्षु अधिकारी विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने पुलिस एवं स्वास्थ्य विभाग के समन्वय को अत्यंत आवश्यक बताते हुए कहा कि आपदा, दुर्घटना, महामारी एवं आपात स्थितियों में दोनों विभागों का संयुक्त प्रयास नागरिकों के जीवन की रक्षा सुनिश्चित करता है। कोविड-19 महामारी के दौरान पुलिस और स्वास्थ्यकर्मियों की सेवा को उन्होंने राष्ट्रसेवा का अनुकरणीय उदाहरण बताया। उन्होंने प्रशिक्षुओं से शारीरिक, मानसिक एवं नैतिक स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने का आह्वान करते हुए कहा कि एक सशक्त और स्वस्थ पुलिस बल ही समाज को प्रभावी सुरक्षा प्रदान कर सकता है। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने भी प्रशिक्षुओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक पुलिस अधिकारी के लिए सतत अध्ययन, विधिक समझ, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता अत्यंत आवश्यक है। ज्ञान और मानवीय दृष्टिकोण का संतुलन ही एक उत्कृष्ट पुलिस अधिकारी की पहचान है।कार्यक्रम में निदेशक अजय यादव ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कहा कि यह संवादात्मक पहल प्रशिक्षण को अधिक व्यवहारिक, प्रेरणादायक और जनोन्मुख बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि इस श्रृंखला के माध्यम से प्रशिक्षुओं को शासन की प्राथमिकताओं, प्रशासनिक समन्वय तथा जन-अपेक्षाओं की गहन समझ प्राप्त होगी। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक पल्लव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. पंकज शुक्ला, पुलिस अधीक्षक राजकुमार मिंज, उप पुलिस अधीक्षक इरफान काजी सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी एवं प्रशिक्षण संस्थान के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षु उपनिरीक्षकों में कर्तव्यनिष्ठा, सेवा-भाव, संवेदनशीलता और सुशासन के मूल्यों को सुदृढ़ करना है, जिससे वे भविष्य में प्रदेश की कानून व्यवस्था को और अधिक सशक्त, पारदर्शी एवं जनविश्वासयुक्त बना सकें।

जमीन विवाद में नाबालिग की हत्या, चचेरा भाई गिरफ्तार

सूरजपुर। जिले के प्रेमनगर क्षेत्र के महोरा गांव में 14 वर्षीय बालक की हत्या के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए उसके चचेरे भाई को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक लालसाय का शव 12 फरवरी को गहुआ भादा जंगल में पुल भादा की ओर जाने वाली पगडंडी के किनारे गले पर गंभीर चोट के साथ मिला था।जानकारी के अनुसार 11 फरवरी की शाम मृतक के मोबाइल से उसके मामा मंगलसाय को फोन कर किसी अज्ञात व्यक्ति ने हत्या की सूचना दी थी। रात में तलाश के बाद भी कुछ पता नहीं चला, लेकिन दूसरे दिन ग्रामीणों के साथ खोजबीन में शव बरामद हुआ। प्रार्थी की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 19/2026 धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया।डीआईजी व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर पुलिस ने जांच तेज की। संदेह के आधार पर देवसाय पण्डो उर्फ देवान (28) को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जहां उसने जमीन बंटवारे के विवाद में वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपी ने टांगी से गले पर वार कर हत्या की और साक्ष्य छिपाने की कोशिश की। उसकी निशानदेही पर मोबाइल, टूटा सिम और वारदात में प्रयुक्त टांगी बरामद की गई।पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा के साथ ग्राम कामठी में 700 से अधिक जोड़ों और श्रद्धालुओं ने किया 151 शिवलिंग में सामूहिक रुद्राभिषेक

वनांचल ग्राम कामठी में दिखा आस्था, संस्कृति और जनकल्याण का दिव्य संगम, विधायक भावना बोहरा और श्रद्धालुओं ने किया सामूहिक रुद्राभिषेक

वनांचल ग्राम कामठी में शिवभक्ति की अनूठी झलक, विधायक भावना बोहरा के साथ सैकड़ों भक्तों ने 151 शिवलिंग में किया सामूहिक रुद्राभिषेक

पंडरिया । महाशिवरात्रि के अवसर पर पंडरिया विधानसभा अंतर्गत ग्राम कामठी में शिवभक्ति की अनूठी झलक देखने को मिली। उत्साह और उमंग के साथ 700 से अधिक विवाहित जोड़ों और श्रद्धालुओं पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा आयोजित 151 पार्थिव शिवलिंग में सामूहिक रूप से पूरे विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ रुद्राभिषेक कर हर हर महादेव का जयघोष किया। इस दौरान विधायक भावना बोहरा ने आयोजन में पधारे सभी श्रद्धालुओं और पंडरिया विधानसभा वासियों को आयोजन को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त कर महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं दी। इस भव्य आयोजन में हजारों की संख्या में क्षेत्रवासी तथा ग्राम नेऊर और दमगढ़ के उन आदिवासी परिवार के सदस्य भी उपस्थित रहे जिन्होंने विधायक भावना बोहरा के प्रयासों से अपने मूल धर्म में घर वापसी की थी। इस दौरान 10,000 भक्तों के लिए भंडारा एवं महाप्रसादी का आयोजन भी किया गया जिसमें विधायक भावना बोहरा ने श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ के भजन गायक अनुराग शर्मा द्वारा भजन की भक्तिमय सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन में भगवान भोलेनाथ जी के जयकारे से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। इस अवसर पर पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि आज का यह आयोजन हमारी धार्मिक संस्कृति और परंपरा का एक प्रतीक है। सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पूरे विधि-विधान से एक साथ भगवान भोलेनाथ जी का रुद्राभिषेक कर छत्तीसगढ़ एवं पंडरिया विधानसभा की सुख-समृद्धि और जन कल्याण की कामना की। पंडरिया विधानसभा सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक समरसता की समृद्ध परंपराओं के लिए जानी जाती है। यहाँ के जन-जीवन में सनातन मूल्यों की गहरी आस्था है। यह हम सभी का दायित्व है कि हम अपनी संस्कृति और आस्था की इस अमूल्य धरोहर को सहेजें और आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाएँ। यह आयोजन क्षेत्र की धार्मिक चेतना को सुदृढ़ करने के साथ-साथ सामाजिक एकता और सामूहिक सहभागिता को भी सशक्त करेगा। यह आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टि से अत्यंत पवित्र और महत्वपूर्ण रहा, बल्कि क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और विकास के लिए एक सकारात्मक संकल्प का प्रतीक भी बना। इस आयोजन ने समाज के सभी वर्गों युवा, महिलाएं, बुजुर्ग और ग्रामीण नागरिकों को एक मंच पर एकत्रित कर सामाजिक एकता और सामूहिक चेतना को मजबूत किया। भावना बोहरा ने आगे कहा कि इस अवसर पर क्षेत्र के विकास, जनकल्याण और समृद्धि के लिए प्रार्थना भी की गई, जिससे यह आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित न रहकर जनहित और क्षेत्र की प्रगति का संकल्प भी बन गया, जिसने समृद्ध पंडरिया बनाने के हमारे संकल्प को एक नई उर्जा और दिशा भी दी है। भगवान शिव सृष्टि के कल्याणकर्ता हैं। आज 151 शिवलिंगों में सामूहिक रुद्राभिषेक का यह आयोजन हमारे क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और विकास के लिए समर्पित है। हमारी सदैव यह भावना रही है कि पंडरिया विधानसभा क्षेत्र आध्यात्मिक रूप से समृद्ध, सामाजिक रूप से सशक्त और विकास के पथ पर निरंतर अग्रसर रहे। छत्तीसगढ़ की समृद्ध परंपराओं और सनातन संस्कृति को आगे बढ़ाते हुए इस प्रकार के आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा, नैतिक मूल्यों और जनकल्याण की भावना को प्रोत्साहित करते हैं। मैं पंडरिया विधानसभा की समस्त जनता और इस पुण्य आयोजन में सहभागी सभी लोगों के प्रति कृतज्ञता और धन्यवाद व्यक्त करती हूँ और आश्वस्त करती हूँ कि आगे भी पंडरिया विधानसभा की प्रगति, जनता की सेवा हेतु अपने दायित्वों का निर्वहन एवं सनातन संस्कृति के प्रसार व नव चेतना के लिए हम निरंतर प्रयास करते रहेंगे।

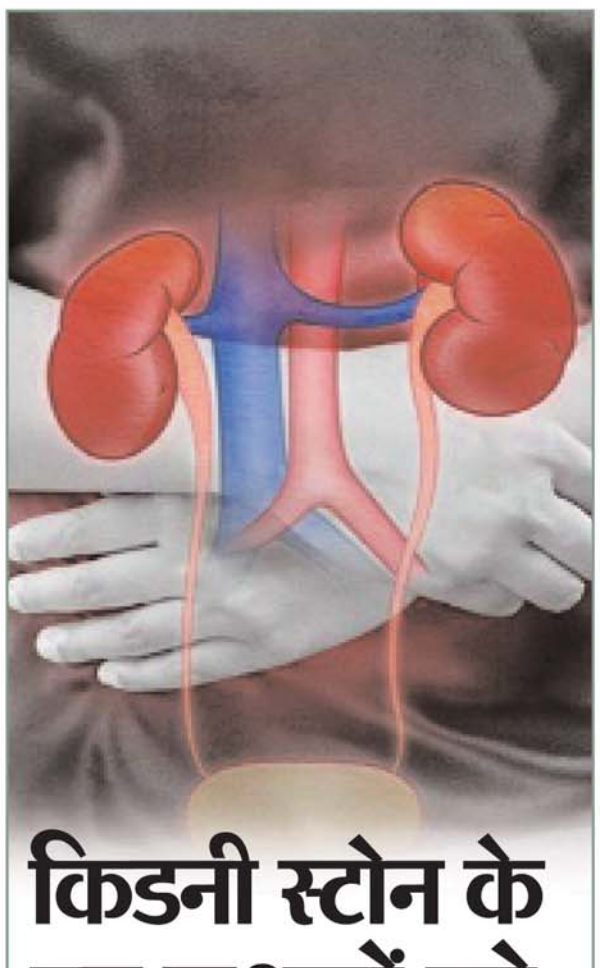

किडनी स्टोन के इन लक्षणों को न करें अनदेखा

किडनी स्टोन होने पर कुछ लोगों को यूरिन करने के दौरान ब्लीडिंग होने लगती है। इस लक्षण को हेमाट्यूरिया भी कहा जाता है। किडनी स्टोन होने पर शरीर कुछ शुरुआती संकेत देना शुरू कर देता है, जिनकी अनदेखी बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए। किडनी स्टोरी (किडनी स्टोन) को मेडिकल भाषा में नेफ्रोलिथ या रीनल कैलकुली के नाम से भी जाना जाता है। इस बीमारी में पानी कम पीने के कारण यूरिन नली पथरी के टुकड़े बन जाते है, जिन्हें किडनी स्टोन कहा जाता है। शरीर में कैल्शियम या यूरिक एसिड की अधिकता के कारण भी किडनी स्टोन की समस्या हो सकती है।

अनियमित दिनचर्या और खानपान में लापरवाही के कारण आजकल लोग कई तरह की बीमारियों के शिकार हो जाते हैं। इसमें किडनी स्टोन की समस्या भी काफी गंभीर है। किडनी स्टोरी (किडनी स्टोन) को मेडिकल भाषा में नेफ्रोलिथ या रीनल कैलकुली के नाम से भी जाना जाता है। इस बीमारी में पानी कम पीने के कारण यूरिन नली पथरी के टुकड़े बन जाते है, जिन्हें किडनी स्टोन कहा जाता है। इसके अलावा शरीर में कैल्शियम या यूरिक एसिड की अधिकता के कारण भी किडनी स्टोन की समस्या हो सकती है। किडनी स्टोन होने पर शरीर कुछ शुरुआती संकेत देना शुरू कर देता है, जिनकी अनदेखी बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए।

पीठ, पेट या बाजू में दर्द

यदि आपको बार-बार पसलियों के नीचे, बाजू और पीठ पर दर्द हो रहा है तो यह किडनी स्टोन होने का शुरुआती संकेत हो सकता है। किडनी स्टोन का दर्द पेट और कमर तक फैलता है।

यूरिन करते समय दर्द या जलन

कुछ लोगों को यूरिन करते समय तेज दर्द या जलन भी महसूस होती है। जब किडनी स्टोन यूरेटर और ब्लैडर के बीच पहुंच जाता है तो पेशाब करते समय अत्यधिक दर्द होने लगता है। कई बार लोग इसे यूरिनरी इन्फेक्शन समझ कर अनदेखा कर देते हैं। किडनी स्टोन होने पर बार बार बाथरूम जाने की भी जरूरत महसूस होती है।

यूरिन के दौरान ब्लीडिंग

किडनी स्टोन होने पर कुछ लोगों को यूरिन करने के दौरान ब्लीडिंग होने लगती है। इस लक्षण को हेमाट्यूरिया भी कहा जाता है। इस दौरान यूरिन में तीखी बदबू भी आती है। किडनी स्टोन होने पर मतली और उल्टी होना आम बात है।

बार-बार बुखार से साथ ठंड लगना

किडनी स्टोन होने पर बार-बार बुखार और ठंड लगने जैसे लक्षण भी दिखाई देते हैं। किडनी स्टोन के अलावा यह लक्षण अन्य गंभीर समस्याओं का भी संकेत हो सकता है। इसलिए बुखार आने के साथ तेज ठंड लगे तो तत्काल डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

हल्दी से हल करें सेहत से जुड़ी ये परेशानियां

क्या आप रोजमर्रा की छोटी-मोटी समस्याओं का इलाज घर पर ही करना चाहती हैं? लेकिन आपको इस बारे में सही जानकारी नहीं है कि परेशानी होने पर किस चीज का इस्तेमाल किया जाए

जब सब्जियां काटते समय आपकी उंगली कट जाए या जब आपका बच्चा साइकिल चलाते समय गिरकर घायल हो जाता है या जब आप गार्डनिंग करते समय घायल हो जाते हैं, तो आप क्या करते हैं?

डॉक्टर के पास जाने से पहले हम जो पहला काम करते हैं, वह फर्स्ट एड लेना है। आपकी किचन में फर्स्ट एड किट की यह 1 चीज मौजूद है। अगर आप अभी तक इसके बारे में नहीं जानते हैं, तो अपना किचन कैबिनेट खोलें और इसमें रखी हल्दी का इस्तेमाल करें। हल्दी में एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटी-बायोटिक और हीलिंग जैसे अद्भुत गुण होते हैं, इसलिए इसे सबसे अच्छी फर्स्ट एड मेडिसिन माना जाता है। हमारे घरों में मामूली घाव, कटने, जलने और खरोंच के इलाज के लिए इसका इस्तेमाल लंबे समय से कई तरीकों से किया जा रहा है।

सर्दी-जुकाम और पेट दर्द को दूर भगाने के लिए भी आप हल्दी का इस्तेमाल कर सकते हैं। बीमारियों को दूर भगाने के लिए हल्दी का इस्तेमाल कैसे किया जा सकता है? आइए इसके बारे में आयुर्वेदिक एक्सपर्ट जीतूंचदन बता रही हैं।

एक्सपर्ट का कहना है, हल्दी कई रोगों का रामबाण इलाज है, इसलिए आपको इसे अपनी डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। यह लिवर को डिटॉक्स करती है और इसे अच्छी तरह से काम करने में मदद करती है। यह न्यूरोडीजेनेरेटिव डिसऑर्डर जैसे अल्जाइमर (यह समस्या तब होती है, जब तंत्रिका तंत्र में तंत्रिका कोशिकाएं समय के साथ काम करना बंद कर देती हैं) से सुरक्षा देती है। साथ ही, हल्दी डायबिटीज को कंट्रोल करती है और मेटाबॉलिज्म को मजबूत बनाती है। इसके अलावा, यह पेट से जुड़ी समस्याओं को दूर करती है।

दांतों की समस्याओं का इलाज

हल्दी एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-माइक्रोबियल और एंटी-सेप्टिक होती है। इसकी मदद से आप दांतों की समस्याओं को दूर कर सकती हैं। हल्दी में मौजूद करक्यूमिन से मसूड़ों में सूजन और दर्द को दूर किया जा सकता है। यह दांतों से प्लैक और बैक्टीरिया हटाती है और इससे दांतों को सफेद बनाया जा सकता है। साथ ही, इनेमल की समस्या को दूर किया जा सकता है। एक चम्मच सरसों के तेल में आधा चम्मच नमक और थोड़ी सी हल्दी मिलाएं। इसे अपने दांतों और मसूड़ों पर दिन में दो बार मसाज करें।

जलने का इलाज

हल्दी में मौजूद करक्यूमिन दर्द और घाव दोनों के इलाज की सबसे अच्छी दवा है। इसमें भी एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी के गुण पाए जाते हैं, जो जलन कम करने में मददगार होते हैं। यह औषधीय जड़ी-बूटी कटने, जलने और खरोंच के लिए एंटी-सेप्टिक के रूप में काम करती है। जलने पर तुरंत ठंडा पानी डालें, फिर चुटकी-भर हल्दी पाउडर के साथ ताजा एलोवेरा जेल को मिक्स करके लगाएं।

दर्द का इलाज

हल्दी का इस्तेमाल खाने का रंग और स्वाद बढ़ाने के साथ ही खूबसूरती बढ़ाने के लिए किया जाता है। यह सेहत के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होती है। यह बात तो सभी जानते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि हल्दी से दर्द को भी दूर किया जा सकता है।

हल्दी में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स शरीर के फ्री रेडिकल्स से लड़ते हैं। साथ ही इसमें एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-फंगल गुणों के साथ प्रोटीन, विटामिन-सी, के, फाइबर, पोटैशियम, कैल्शियम, कॉपर, आयरन और जिंक मौजूद होते हैं। हल्दी में पाया जाने वाला करक्यूमिन घुटने और जोड़ों के दर्द को दूर करता है।

दर्द और सूजन को दूर करने के लिए हल्दी वाला दूध पिएं। इसके लिए 1 चम्मच हल्दी और 2 चम्मच अदरक का पाउडर मिक्स करें। फिर इस पेस्ट को दर्द वाले हिस्से पर लगाएं।

नुकसानदेह साबित हो सकता है दलिया का अधिक सेवन

दलिया में मौजूद हाई फाइबर और खनिज तत्वों के कारण इसका अधिक सेवन नुकसानदेह साबित हो सकता है, खासकर कुछ स्वास्थ्य परिस्थितियों में यह हानिकारक साबित होता है।

दलिया का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है, खासतौर पर वजन कम करने और पाचन को दुरुस्त करने के लिए दलिया बेहद लाभकारी साबित होती है। लेकिन कहते हैं न कि अति किसी भी चीज की बुरी होती है, दलिया के अधिक सेवन पर भी यह बात लागू होती है। जी हां, अगर आप भी हेल्दी मील मानकर दलिया का अधिक से अधिक सेवन कर रहे हैं तो आपको इससे होने वाले नुकसान के बारे में भी जान लेना चाहिए।

दलिया में कई तरह के विटामिन और खनिज तत्वों के साथ ही हाई फाइबर पाए जाते हैं, जिसके चलते ये सेहत के लिए लाभकारी मानी जाती है। पर इसमें मौजूद हाई फाइबर के कारण इसका अधिक सेवन नुकसानदेह साबित हो सकता है।

पेट की समस्याएं

दलिया के अधिक सेवन करने से पेट में गैस, दर्द और ऐंठन की समस्या हो सकती है। ऐसे में जिस लोगों को पेट की समस्याएं होती हैं, उनके लिए दलिया का अधिक सेवन हानिकारक साबित हो सकती है। इसके कारण आंत में सूजन की समस्या हो सकती है।

शरीर में सूजन

हाई फाइबर की मौजूदगी के कारण दलिया के अधिक सेवन से शरीर में सूजन की समस्या हो सकती है। इसके अलावा आवश्यकता से अधिक दलिया खाने से दस्त और उल्टी जैसी दिक्कतें भी पेश आ सकती हैं। इसलिए इनसे बचने के लिए जरूरी है कि दलिया का सेवन सीमित मात्रा में किया जाए। हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि हर रोज 85 से 200 ग्राम के लगभग दलिया का सेवन किया जा सकता है। हालांकि व्यक्ति विशेष की शारीरिक परिस्थिति के अनुसार इसकी मात्रा अलग हो सकती है, जिसके बार में उचित सलाह डॉक्टर शारीरिक परिक्षण के आधार पर दे सकते हैं। इसलिए अगर आपको किसी तरह की शारीरिक समस्या है तो आप इस बारे चिकित्सकीय सलाह ले सकते हैं। वहीं दलिया खाने से होने वाले नुकसान से बचने के लिए जरूरी है कि इसके दिन के मुख्य भोजन में शामिल करने के बजाय सुबह के नाश्ते में इसका सेवन करें। इससे दलिया का पूरा पोषण शरीर को मिलेगा, साथ इसका दुष्प्रभाव भी कम होगा।

किडनी संबंधी रोग

दलिया में फास्फोरस जैसा खनिज तत्व काफी अधिक मात्रा में पाया जाता है, जो किडनी की सेहत पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। ऐसे में जिन लोगों को किडनी संबंधी समस्या है उन्हे दलिया का सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए।

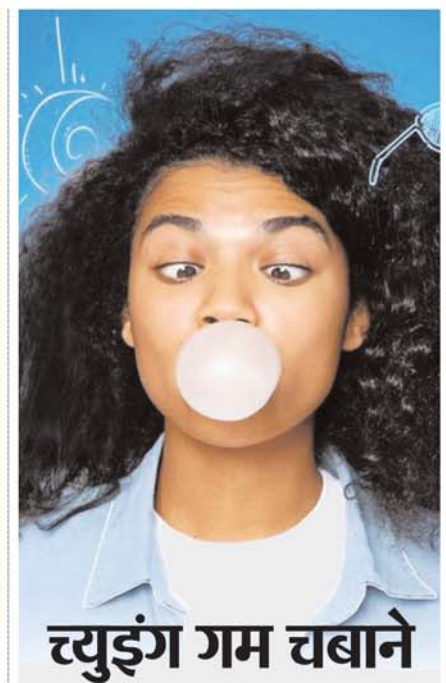

च्युइंग गम चबाने से दूर हो सकती है एसिडिटी

क्या आप भी एसिड रिफ्लक्स के कारण परेशान रहते हैं। बार-बार खट्टी डकार और सीने में जलन के कारण असहजता महसूस होती है। आपको च्युइंग गम चबाने से फायदा मिल सकता है।

एसिड रिफ्लक्स डाइजेशन से जुड़ी समस्या है। जिससे सीने में जलन होता है,खट्टी डकार आती है। दरअसल ऐसा तब होता है जब भारी भोजन करने के बाद आप तुरंत बिस्तर पर लेट जाते हैं। इस कारण पेट का एसिड भोजन नली में वापस आने लगता है। एसिड आपके अन्नप्रणाली के अंदर ऊतकों को परेशान और उत्तेजित करता है,जो आपके पेट से आपकी छाती से होते हुए आपके गले तक चला आता है। इससे काफी असहजता महसूस होती है। कभी कभी तो यह तुरंत ठीक हो जाता है लेकिन कभी कभी व्यक्ति बहुत परेशान हो जाता है। अगर आप भी एसिडिटी से ऐसे ही परेशान रहते हैं तो च्युइंग गम चबाने से आपको आराम मिल सकता है।

एसिड रिफ्लक्स के लक्षण

- हार्ट बर्न
- मुंह में खट्टे स्वाद वाला तरल पदार्थ आना
- ब्लोटिंग
- बार-बार खट्टी डकार आना
- गले में कुछ अटका हुआ महसूस होना
- बार-बार हिचकियां आना

च्युइंग गम चबाने से दूर हो सकती है एसिडिटी

- च्युइंग गम चबाने से एसिडिटी की समस्या में राहत मिल सकती है। दरअसल जब आप च्युइंग गम चबाते हैं तो इससे स्लाइवा का उत्पादन ज्यादा होता है। च्यूइंगम लार के उत्पादन को उत्तेजित करता है,जो पेट के एसिड को बेअसर करने और एसिड रिफ्लक्स के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकता है।
- लार में बाइकार्बोनेट होता है जो नेचुरल एसिड बफर के रूप में काम करता है।
- वहीं च्युइंग गम कुछ लोगों में निगलने को प्रोत्साहित करता है। इससे इसोफेगस से एसिड साफ करने में मदद मिलती है।
- वहीं च्यूइंगम में सूदिंग इफेक्ट होता है जो एसिड रिफ्लक्स के कारण होने वाली असुविधा को कम करने में मदद कर सकता है। इससे जलन में राहत मिलती है।
- एक्सपर्ट की माने तो इससे जलन में राहत मिलती है। च्युइंग गम चबाने से आपकी लार अधिक क्षारीय हो जाती है जो आपके पेट में एसिड को बेअसर कर सकता है।

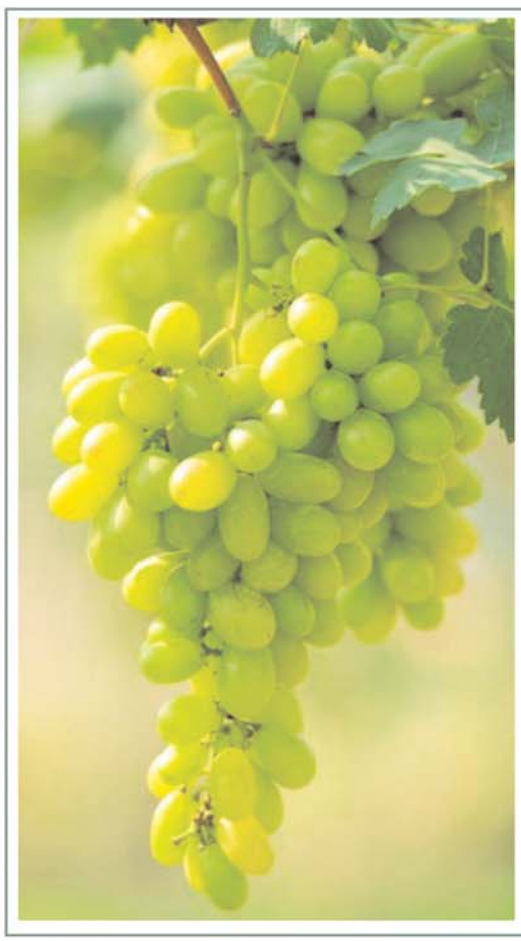

इन वजहों से आपको रोज खाने चाहिए अंगूर

सर्दियों में मिलने वाला अंगूर टेस्टी ही नहीं, बल्कि सेहतमंद भी होता है। आयुर्वेद में भी इसके गुणों को माना गया है। इसे रोज डाइट में शामिल कर आपको कई फायदे मिल सकते हैं।

फल और सब्जियां सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होती हैं। इनमें मौजूद गुण डाइजेशन, स्किन, दिल और भी कई चीजों के लिए लाभकारी होते हैं। इसलिए, हमेशा डाइट में इन्हें शामिल करे की सलाह दी जाती है। खासकर, मौसमी फल और सब्जियां आपको कई तरह से फायदा पहुंचा सकते हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक, दिन में एक मौसमी सब्जी और फल को जरूर खाना चाहिए। सर्दियों में मिलने वाला अंगूर टेस्टी ही नहीं, बल्कि सेहतमंद भी होता है। आयुर्वेद में भी इसके गुणों को माना गया है। इसे रोज डाइट में शामिल कर आपको कई फायदे मिल सकते हैं। अंगूर खट्टे-मीठे होते हैं और इसके टेस्ट के हिसाब से इसका शरीर में मौजूद तीनों दोषों पर अलग-अलग असर होता है।

- एक्सपर्ट का कहना है कि आपको मीठे अंगूर खाने चाहिए क्योंकि ये वात और पित्त दोष को बैलेंस करते हैं। वहीं, खट्टे अंगूर कफ और पित्त दोष को बढ़ाते हैं।
- अंगूर में लैक्सेटिव गुण पाए जाते हैं। ये बाउल मूवमेंट को आराम देने में मदद करते हैं।
- ये आंखों के लिए भी बहुत अच्छे होते हैं औ शरीर को पोषण देते हैं।
- अंगूर में विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन के, विटामिन बी 1, कैल्शियम पाया जाता है।
- अंगूर में ऐफडिजीऐक गुण भी पाए जाते हैं। ये सेक्सुअल हेल्थ (सेक्स लाइफ के लिए जरूरी विटामिन्सम) के लिए भी अच्छे होते हैं।
- अंगूर में विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। सर्दियों में अक्सर पानी की कमी हो जाती है, इसलिए ये शरीर को अंदर से हाइड्रेशन देते हैं।
- आयुर्वेद की कई दवाईयों में भी सूखे अंगूरों का इस्तेमाल होता है।
- ये दिमाग को भी आराम देते हैं और मेमोरी को बूस्ट करने में मदद करते हैं।
- सूखी हुई अंगूर यानी किशमिश भी सेहत के लिए फायदेमंद होती है।

कॉफी ही नहीं इन चीज़ों से भी मिलती है इंस्टेंट एनर्जी

ज्यादा काम करने से कई बार शरीर में थकान आ जाती है। ऊर्जा की कमी हो जाती है। शरीर में ताजगी बनाए रखने के लिए लोग अक्सर चाय या कॉफी पर डिपेंड रहते हैं। दिन भर में 3 से 4 कप कॉफी पी लेते हैं, लेकिन जरूरत से ज्यादा कैफीन का सेवन करने से आपको दिक्कत हो सकती है। इसके कारण नींद संबंधी समस्याएं भी हो जाती है। ऐसे में आप इंस्टेंट एनर्जी पाने के लिए कॉफी की जगह पर एक्सपर्ट के बताए इन चीजों का सेवन कर सकते हैं। इससे एनर्जी भी मिलती है और शरीर को काफी फायदा भी पहुंचता है। इस बारे में हेल्थ एक्सपर्ट रिचा दोषी जानकारी दे रही हैं।

इंस्टेंट एनर्जी देते हैं ये खाद्य पदार्थ

खजूर - इंस्टेंट एनर्जी के लिए आप खजूर का सेवन कर सकते हैं। इसमें नेचुरल ग्लूकोज,फक्टोज और सुक्रोज पाया जाता है जिससे आपको तुरंत एनर्जी मिलती है। इसकी उच्च फाइबर और कार्बोहाइड्रेट सामग्री से एनर्जी का बढ़िया स्रोत बनाती है। इसमें आयरन होता है जो शरीर में सही ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ावा देता है।

केला - केले को एनर्जी का पावर हाउस कहा जाता है। इसे खाने से आपको इंस्टेंट एनर्जी मिलती है। इसमें विटामिन,खनिज और अच्छे कार्ब्स हैं जो आप को तुरंत ऊर्जा देते हैं। इसमें मौजूद पोटेशियम मांसपेशियों को रिलैक्स करता है। इसमें मौजूद मैग्नीशियम दिमाग को रिलैक्स करता है और ब्रेन फंक्शन को बढ़ावा मिलता है। ऐसे में आपको कभी भी कमजोरी या एनर्जी की कमी महसूस हो आप केले के सेवन से फायदा पा सकते हैं।

दही, बीज और किशमिश - एक्सपर्ट के मुताबिक दही में सीड्स और किशमिश डालकर खाने से भी तुरंत ऊर्जा मिलती है। किशमिश आयरन,फाइबर और कैल्शियम से भरपूर होता है। वहीं दही में भी फाइबर,कैल्शियम और एंटीऑक्सीडेंट होता है। बीज में आप कद्दू,सूरजमुखी या अलसी के बीज मिला सकते हैं। इससे मेटाबॉलिज्म तेज होता है। कुल मिलाकर ये कॉम्बिनेशन एनर्जी का बेहतरीन स्रोत माना जाता है।

रंगों से महका राजेन्द्र पार्क : निगम के आठवें भव्य फ्लावर शो में उमड़ी भीड़

दुर्ग। नगर पालिक निगम द्वारा आयोजित आठवां फ्लावर शो शनिवार को बड़ी धूमधाम से आरंभ हुआ। सुबह 11 बजे जैसे ही कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, पूरा राजेन्द्र पार्क रंग-बिरंगे फूलों की खूबसूरती से खिल उठा। सुबह से लेकर देर रात तक लोगों की भारी भीड़ उमड़ती रही। परिवार, बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी इस अनोखी पुष्प प्रदर्शनी का आनंद लेने पहुंचे।

ऑपरेशन सिंदूर रंगोली बना शो का मुख्य आकर्षण

फ्लावर शो में ऑपरेशन सिंदूर रंगोली ने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। फूलों और प्राकृतिक रंगों से बनी यह विशाल रंगोली हर किसी की सेल्फी का बैकग्राउंड बन गई। रंगोली के सामने फोटो खिंचवाने और वीडियो बनाने की लोगों में होड़ लगी रही।फूलों का मनमोहक संसार- प्रदर्शनी में दिखीं अनोखी आकृतियाँ कार्यक्रम में सैकड़ों प्रजातियों के रंग-बिरंगे फूलों की प्रदर्शनी लगाई गई। विभिन्न कलात्मक आकृतियों फूलों से बना बादक, प्राकृतिक आकृतियाँ, फूलों के आकर्षक ढांचे ने आगंतुकों को खूब लुभाया। प्यारी खुशबू के साथ इन फूलों की सजावट ने पूरे पार्क को एक उत्सव स्थल का रूप दे दिया।

बच्चों की कला और उत्साह ने बढ़ाई शो की चमक

बच्चों के लिए आयोजित ड्राइंग में पर्यावरण पर आधारित रंगीन कलाकृतियाँ देखने मिलीं। वहीं चाक से दीए बनाने के स्टॉल ने बच्चों को खूब आकर्षित किया। बच्चों की लंबी कतारें और उनके उत्साह को देखकर कार्यक्रम स्थल पूरी तरह जीवंत लगा।

गीत-संगीत और लोक संस्कृति का मनभावन संगम

फ्लावर शो में मनोरंजन के लिए गीत-संगीत का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्कूली बच्चों और कलाकारों ने छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति पर आधारित शानदार प्रस्तुतियाँ दीं। पारंपरिक वेशभूषा और लोक धुनों ने माहौल को और भी रंगीन बनाया।कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की विशेष उपस्थिति रही साथ ही कई विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे जिनमें स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव,सांसद विजय बघेल,महापौर अल्का बाघमार,आयुक्त सुमित अग्रवाल,सभापति श्याम शर्मा,पर्यावरण प्रभारी काशीराम कोसरे,उद्यान प्रभारी अनिल सिंह के अलावा एमआईसी सदस्य, पार्षदगण, अधिकारी-कर्मचारी तथा भारी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।इन सभी ने फूलों की प्रदर्शनी, शासन योजनाओं से जुड़े मॉडलों और अन्य स्टॉलों का अवलोकन कर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।पर्यावरण संदेश से जुड़ी प्रदर्शनी बनी आकर्षण फ्लावर शो में पर्यावरण संरक्षण और जागरूकता से संबंधित कई प्रदर्शनी लगाई गईं। स्वच्छता पर आधारित स्लोगन, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से जुड़े और पारंपरिक कला पर आधारित स्टॉलों ने आगंतुकों को खूब आकर्षित किया। साथ ही विविध व्यंजनों के स्टॉल भी लोगों की भीड़ का केंद्र रहे।

विजेताओं का सम्मान,प्रशस्ति पत्र से बढ़ाया उत्साह

नगर निगम ने विभिन्न श्रेणियों में लगाए गए स्टॉलों का मूल्यांकन कर उत्कृष्ट प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। फ्लावर शो में आम नागरिकों की भागीदारी को सराहते हुए निगम प्रशासन ने इसे सफल आयोजन बताया।

छेरकाडीह में सात दिवसीय नमायन सम्पन्न संत संदेशों से गूंजा गांव

बलौदा बाजार। पलारी ब्लाक अंतर्गत ग्राम छेरकाडीह में सतनाम पंथ के महान संत बाबा गुरुघासीदास जी की पावन स्मृति में आयोजित ससदिवसीय नमायन श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ सम्पन्न हुआ। सात दिनों तक चले इस आयोजन में प्रतिदिन सत्संग, कीर्तन एवं प्रवचन का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण श्रद्धालु शामिल हुए।नगर पंचायत अध्यक्ष गोपी साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि बाबा गुरुघासीदास जी ने समाज को सत्य, समानता और मानवता का मार्ग दिखाया। उनके बताए रास्ते पर चलकर ही हम एक आदर्श और समरस समाज की स्थापना कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन नई पीढ़ी को संस्कार और सद्भाव का संदेश देते हैं। पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष हितेंद्र ठाकुर ने कहा कि बाबा जी का जीवन त्याग, तपस्या और सामाजिक जागरूकता का प्रतीक है। समाज में व्याप्त भेदभाव को मिटाकर आपसी भाईचारा स्थापित करना ही उनके सिद्धांतों का पालन है। उन्होंने आयोजन समिति की सराहना करते हुए इसे सामाजिक एकता का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।नगर पंचायत उपाध्यक्ष पिंटू वर्मा ने कहा कि सतनाम का अर्थ है सत्य के मार्ग पर अडिग रहना। बाबा जी का संदेश हमें नैतिक मूल्यों को अपनाने और समाज सेवा के लिए प्रेरित करता है। सती नारायण माण्डले सरपंच कमल नारायण बंजारे उप सरपंच संतोष कुमार नवरंगे, कुसीनील कुमार,देवमती, रोमन दास, सुशीला नवरंगे,मधुधनराज बांधे,ज्ञानदास बंजारे, नरोत्तमदास मानिकपुरी, अन्नू भरोसा मानिकपुरी, गंगा बाई यादव गंगा धर्मेंद्र पाठक,हरवंश नवरंगे जीवराखन जोशी, देवा बाँधे, लक्ष्मण, बंधुसुदन बंजारे, पीला बंजारे, रमेश चंद्राकर,कन्हैया सिंह ठाकुर,रामाधार, हीरालाल,सहित ग्रामवासी भारी संख्या में उपस्थित थे।

निगम आयुक्त ने किया दीक्षित कॉलोनी और कोसा नाला का निरीक्षण, सफाई व्यवस्था सुधारने और अतिक्रमण हटाने के दिए सख्त निर्देश

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम आयुक्त राजीव कुमार पांडेय ने जोन 1 के अंतर्गत आने वाली दीक्षित कॉलोनी की साफ-सफाई व्यवस्था और निर्माणाधीन कोसा नाला रिटर्निंग वॉल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जनहित के कार्यों में तेजी लाने और वर्षा ऋतु से पूर्व सुरक्षा इंतजाम पुख्ता करने के निर्देश दिए।आयुक्त ने कोसा नाला के समीप निर्माणाधीन रिटर्निंग वॉल का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि नाले के किनारे का तत्काल सीमांकन कराया जाए, ताकि वहां से अतिक्रमण हटाया जा सके। इसका उद्देश्य बरसात के मौसम में जलभराव या किसी भी अप्रिय स्थिति को निर्मित होने से रोकना है। दीक्षित कॉलोनी की गलियों और नालियों की सफाई का अवलोकन करते हुए आयुक्त ने सफाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान क्षेत्र में उपलब्ध ऐसी शासकीय रिक्त भूमि का भी अवलोकन किया गया, जिसका उपयोग भविष्य में जनहित और शासकीय कार्यों के लिए किया जा सके। नवनिर्मित सीसी रोड का जायजा लिया गया, भरपूर तराई हेतु निर्देशित किया गया है जिससे रोड की मजबूती में कमी न हो । निर्माणाधीन मकानो का अवलोकन कर भवन अधिकारी को भवन अनुज्ञा संबंधित दस्तावेज परीक्षण हेतु कहा गया है।

समाज सुधारक संत गुरु रविदास जयंती समारोह में शामिल हुए विधायक इन्द्र साव

बलौदा बाजार । ग्राम दतरेंगी में संत गुरु रविदास की जयंती बड़ी धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित भव्य समारोह में क्षेत्रीय विधायक इन्द्र साव, मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह की शुरुआत क्षेत्रीय विधायक द्वारा संत रविदास जी के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। कार्यक्रम में स्थानीय भजन मंडलियों ने संत रविदास की अमृतवाणी और भजनों के माध्यम से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। विधायक इन्द्र साव ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि संत रविदास ने ''मन चंगा तो कठौती में गंगा'' का कालजयी संदेश देकर समाज को आंतरिक शुद्धि और कर्मठता का मार्ग दिखाया था। उन्होंने कहा कि गुरु जी ने सदैव जाति-पाति और ऊंच-नीच के भेदभाव को मिटाकर मानवता और समानता पर आधारित समाज की कल्पना की थी। विधायक ने युवाओं से उनके आदर्शों को जीवन में उतारने का आह्वान किया। विधायक ने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना की द्य समारोह में रामरतन डांडेकर, प्रीतम बघेल, भगेला डोन्डे पूर्व पंच, संतोष कुमार डोन्डे शिक्षक, डॉ. रोहित बघेल पूर्व पंच, डॉ. हरिशंकर बघेल, आरती बघेल, कुमारी डोन्डे पूर्व पंच, श्रीराम डोन्डे, डेरहू डोन्डे, माखन डोन्डे पूर्व पंच, गोविन्द डोन्डे, जगदीश डोन्डे, रामरतन डोन्डे पूर्व पंच, राम अनिल डोन्डे, शशि डोन्डे, पिताम्बर डोन्डे, इन्द्र डोन्डे, खेमराम डोन्डे, खेमराम डोन्डे, राजाराम डोन्डे, अनुज डोन्डे पंच, जेठू डोन्डे सुनिल डोन्डे, तिजराम डोन्डे, गणेश डोन्डे, गणेश डोन्डे, हरिश डोन्डे क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, पंचायत प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने आईटी पार्क और नालन्दा परिसर का किया निरीक्षण

दुर्ग । जिला मुख्यालय दुर्ग में आईटी पार्क शीघ्र प्रारंभ होने जा रही है, भवन एवं परिसर में सभी आवश्यक तैयारी दुरुत गति से पूरी की जा रही है। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आईटी पार्क का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने निगम आयुक्त दुर्ग को भवन की आवश्यक मरम्मत, रंग रोगन, कमरों में विद्युत कनेक्शन, परिसर में प्रकाश व्यवस्था एवं गाडनिंग, नेट सुविधाएं तथा आईटी कम्पनियों को आवश्यकता के मुताबिक कमरे आदि प्रबंध करने निर्देशित किया।उल्लेखनीय है कि विगत दिवस दुर्ग आईटी पार्क के लिए मुख्यमंत्री की मौजूदगी में आईआईटी भिलाई और विभिन्न 40 आईटी कम्पनियों के मध्य एमओयू सम्पन्न हुआ है।कलेक्टर श्री सिंह ने दुर्ग में निर्माणाधीन नालन्दा परिसर, पुलगांव नाला एसटीपी और निर्माणाधीन वृद्धाश्रम के अद्यतन प्रगति का भी जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों और कांट्रेक्टरों को निर्माण कार्य को समयावधि में पूर्ण करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर नगर निगम दुर्ग के आयुक्त सुमित अग्रवाल, तहसीलदार प्रफुल्ल गुप्ता एवं निगम के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

वृक्षों के महत्व पर चर्चा व पोस्टर स्पर्धा संपन्न

भिलाई। इंटेक के दुर्ग भिलाई चैप्टर द्वारा वृक्षों के महत्व पर चर्चा तथा राष्ट्रीय पोस्टर चित्रकला स्पर्धा का चैप्टर स्तरीय आयोजन आज आमदी विद्यापीठ, हुडको में संपन्न हुई । इस आयोजन में में दुर्ग-भिलाई के 8 स्कूलों के विद्यार्थी व शिक्षक तथा इंटेक के सदस्य शामिल हुए। इस आयोजन की मुख्य अतिथि वनस्पति विज्ञानी डॉ उमा गुप्ता ने मनुष्य के जीवन में वृक्ष के महत्व को समझते हुए प्रत्येक विद्यार्थी से हर वर्ष में एक पेड़ लगाने का आव्हान किया द्य उन्होंने कहा कि वृक्षों से उत्सर्जित ऑक्सीजन ही मानव सहित सभी जीव-जंतुओं को प्राणमय बनाए रखती है । शिक्षाविद् डॉ डी एन शर्मा ने वनांचल में आदिवासियों के वृक्षों पर सामाजिक-आर्थिक व सांस्कृतिक निर्भरता की चर्चा करते हुए बताया कि आदिवासी वृक्षों की न केवल पूजा करते हैं बल्कि वे उनके सबसे बड़े रक्षक भी है द्य पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी डॉ रजनी नेलसन ने वृक्षों के सामरिक महत्व को बतलाया द्य विद्या निकेतन की प्राचार्या माधुरी कलशकर ने हिन्दू ग्रंथों के चुनिंदा श्लोकों के माध्यम से पेड़ों की महिमा स्थापित की। आरंभ में इंटेक की संयोजक डॉ हंसा शुक्ला ने इंटेक का परिचय देते हुए वृक्षों के सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला द्य परिचर्चा के पश्चात राष्ट्रीय पोस्टर चित्रकला स्पर्धा के अन्तर्गत भिलाई-दुर्ग के 8 स्कूलों के 72 विद्यार्थियों ने पोस्टर बनाएँ और वृक्षों के महत्व पर अपने विचार लिखें द्य डीपीएस भिलाई, आमदी विद्या निकेतन हुडको, एंजेल वेली स्कूल, तुलाराम आर्य कन्या विद्यालय दुर्ग, खालसा स्कूल दुर्ग, शारदा स्कूल रिसाली, मां शारदा स्कूल से-9 व सुभाष विद्या मंदिर के प्रतिभागी इसमें शामिल हुए द्य इस अवसर पर आमदी शिक्षा समिति के अध्यक्ष दीपक रुद्र, लक्ष्मी नाग, चित्रकार डा सुनीता वर्मा, विश्वास तिवारी, के के गुप्ता, मनोरमा पांडे, स्मृति शर्मा, नीरू जैन, शांतनु, श्वेता पदमशाली, गौरी शर्मा, सुमिता सिंह, हर्षिता सालेम विशेष रूप से उपस्थित रहे ।

नर्सेस निभाती हैं सही मायनों में महतारी का कर्तव्यः यादव

भिलाई । शासकीय नर्सिंग कॉलेज, दुर्ग (स्व. चंदूलाल चंद्राकर शासकीय मेडिकल कॉलेज बिल्डिंग) की ओर से एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस (हाइब्रिड मोड) का आयोजन शनिवार को कला मंदिर, सिविक सेंटर भिलाई में किया गया। इस मौके पर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव के साथ नर्सिंग व चिकित्सा के पेशे से जुड़े कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। आयोजन में नर्सिंग से जुड़े विभिन्न विषयों पर दिन भर अकादमिक प्रस्तुतिकरण और शोधपत्र वाचन का दौर चला। समापन में प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए। मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव ने इस अवसर पर कहा कि नर्सिंग का पेशा समाज में सबसे सम्मानित कर्त्तव्य में गिना जाता है। उन्होंने कहा कि जब हम छत्तीसगढ़ महतारी की परिकल्पना करते हैं तो नर्सिंग समुदाय का चेहरा हमारे सामने दिखता है क्योंकि नर्स का सेवाभाव पूरी मानवता की जीवनरक्षा करता है। मंत्री यादव ने इस दौरान शासकीय नर्सिंग कॉलेज से जुड़ी विभिन्न मांगों के संदर्भ में विभागीय मंत्री से चर्चा करने का आश्वासन दिया। इसके पहले अतिथियों का स्वागत करते हुए आयोजन की चेयरपर्सन और शासकीय नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. रीमा राजेश ने कान्फ्रेंस के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने 2014 से चंदूलाल चंद्राकर मेडिकल कॉलेज भवन में संचालित शासकीय नर्सिंग कॉलेज का अपना भवन व हॉस्टल नहीं होने से सामने आ रही व्यवहारिक कठिनाई की ओर भी अतिथियों का ध्यान आकृष्ट कराया। उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय, रायपुर के कुलसचिव डॉ. दिनेश कुमार सिन्हा ने कहा कि आज इंटरनेट के दौर में हमारे सामने संसाधनों और माध्यमों की कमी नहीं है। बस जरूरत इस बात की है कि नर्सिंग समुदाय अपने आप को समय के अनुरूप अपडेट रखें और अपने ज्ञान में निरंतर वृद्धि करते रहें। छत्तीसगढ़ नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल, रायपुर की रजिस्ट्रार दुर्गावती कुंजाम ने नर्सिंग के पेशे आ रहे समयानुकूल बदलावों की चर्चा करते हुए कई उदाहरण दिए। उन्होंने नर्सिंग समुदाय से आह्वान किया कि वे दुनिया भर में इस क्षेत्र में हो रहे अनुसंधान पर भी नजर रखें और उसी के अनुरूप खुद को ढालें। शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय रायपुर की प्राचार्य शैलू साजी ने अपने उद्बोधन में उम्मीद जताई कि इस अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस से नर्सिंग समुदाय को बहुत कुछ सीखने मिलेगा। विशेष अतिथि दुर्ग नगर पालिका निगम के पार्षद जेम्स साजन जोसेफ ने कहा कि नर्सिंग का पेशा समाज में सबसे पवित्र दायित्वों में से एक है। उन्होंने उम्मीद जताई कि शासकीय नर्सिंग कॉलेज दुर्ग से जुड़े विभिन्न विषयों पर मंत्री गजेंद्र यादव की पहल से जल्द सकारात्मक परिणाम सामने आएगा। इस दौरान विभिन्न सत्रों में प्रमुख रूप से डॉ. नैन्सी फर्नांडीस परेरा एकेडमिक एडवाइजर, एसएस कॉलेज ऑफ नर्सिंग, वापी, पूर्व प्रिंसिपल, एलटी कॉलेज ऑफ नर्सिंग एसएनडीटी यूनिवर्सिटी, मुंबई,चेयरपर्सन डॉ. भावना चक्रवर्ती एसोसिएट प्रोफेसर गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग, दुर्ग, डॉ. विष्णु रंजीत और रंजुला यशोधरन, डॉ. जिबी जॉर्ज सीईओ आदेश्वर ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस, जगदलपुर और डॉ. कल्पना भूषण जोशी एसोसिएट प्रोफेसर, गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग, दुर्ग ने मार्गदर्शन दिया। अतिथियों ने प्रावीण्य सूची में स्थान बनाने वाली नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं को प्रमाणपत्र प्रदान किए। आयोजन को सफल बनाने में शासकीय नर्सिंग कॉलेज दुर्ग के समस्त प्राध्यापकों व स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

पुलिस के अधिकारी-कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य जागरूकता सत्र आयोजित

दुर्ग (प्रखर)। पुलिस परेड ग्राउण्ड, रक्षित केन्द्र दुर्ग में पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। उक्त सत्र में सुश्री नेहा बत्रा, फिजियोथेरेपिस्ट एवं सर्टिफाइड डाइटिशियन द्वारा मांसपेशियों में खिंचाव, कमर दर्द, पीठ दर्द तथा लंबे समय तक खड़े रहने या ड्यूटी के दौरान होने वाले शारीरिक दर्द के कारण एवं उनके निवारण के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।सत्र के दौरान सही शारीरिक मुद्रा, नियमित व्यायाम, संतुलित आहार एवं फिजियोथेरिपी के माध्यम से उपचार की विधियों का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम में लगभग 112 अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

सराहनीय कार्य - कार्यक्रम के सफल आयोजन में रक्षित निरीक्षक नीलकंठ वर्मा एवं रक्षित केन्द्र स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही।

दुर्ग पुलिस की अपील -दुर्ग पुलिस अपने अधिकारी/कर्मचारियों से अपील करती है कि वे नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, व्यायाम एवं संतुलित आहार को दैनिक दिनचर्या में शामिल करें, जिससे वे शारीरिक रूप से स्वस्थ रहकर अपने कर्तव्यों का प्रभावी निर्वहन कर सकें।

नवनियुक्त मंडल भाजपा एवं अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक से की सौजन्य भेंट

सरकार की योजनाओं आम जनमानस के बीच ले जाने के लिए कड़ी के रूप में कार्य करें - सुरेंद्र कौशिक

दुर्ग। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष अरविंदर खुराना,रिसाली मंडल अध्यक्ष अनुपम साहू, मरोदा पुरैना मंडल अध्यक्ष राजू जंघेल के नेतृत्व में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक से सौजन्य भेंट की भेंट करने वाले कार्यकर्ताओं से जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने पार्टी की रीति नीति और संगठनात्मक दायरे में रहकर संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया । इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नवीन कार्यकारिणी अल्पसंख्यक मोर्चा , रिसाली और मरोदा पुरैना की कार्यकारिणी की घोषणा सभी नए दायित्व धारी उनकी ऊर्जा उनकी क्षमता उनकी योग्यता के आधार पर घोषित किया गया है संगठन का प्रत्येक कार्यकर्ता केंद्र की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी , मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की नेतृत्व वाली सरकार की जनहित कार्य योजनाओं को जन-जन के बीच लेकर जाएं और उन योजनाओं के लाभ उन्हें दिलाने के लिए एक कड़ी के रूप में कार्य करें आप सभी के परस्पर संगठनात्मक कार्य से संगठन और मजबूत हो आप सभी से मैं अपेक्षा करता हूं आप सभी आपके नवीन दायित्व के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। जिला अध्यक्ष से सौजन्य भेंट करने वालों में अल्पसंख्यक जिला उपाध्यक्ष शेख शकील महेश जैन एम आई फिरोजी अजी मैथ्यू,जिला महामंत्री सिंघाडा सिंह सोढी,जमील खान, मंत्री सतविंदर सिंह धयान सिंह ममता जैन बबलू चौरे विवेक जैन, रिसाली मंडल उपाध्यक्ष अजीत चौधरी सरिता महिलांग बॉबी दास सचिन गोस्वामी महामंत्री दशरथ साहू गुड्डू झा मंत्री तरसेम कौर राजेश्वरी पसीने धनेश्वरी नेताम प्रेमचंद साहू, मरोदा पुरैना मंडल उपाध्यक्ष राजू राम दुर्गेश साहू आरती पांडेय महामंत्री पुनाराम कलिहारी नरेंद्र निर्मलकर मंत्री रंजन सिन्हा, शेष जांगड़े द्रौपदी यादव इंद्रजीत सोनवानी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं उपस्थित रहे ।

कांग्रेसियों ने पूर्व मुख्यमंत्री श्यामाचरण शुक्ल पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई

बलौदाबाजार । शनिवार को जिला कांग्रेस कार्यालय में जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष सुमित्रा धृतलहरे द्वारा समस्त ब्लॉक अध्यक्षों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मनरेगा बचाओ संग्राम के अंतर्गत प्रस्तावित कलेक्टर घेराव कार्यक्रम की तैयारी को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। जिलाध्यक्ष द्वारा सभी ब्लॉक अध्यक्षों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में संगठन को सक्रिय करते हुए अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं एवं आमजन की भागीदारी सुनिश्चित करें। बैठक में एसआईआर में पाई गई गड़बड़ियों के संबंध में भी चर्चा की गई तथा संबंधित त्रुटियों के सुधार हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। कांग्रेस पार्टी जनहित के मुद्दों पर सतत संघर्ष के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक उपरांत मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्यामाचरण शुक्ल पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। उपस्थित कांग्रेसजनों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुरेंद्र शर्मा, शैलेश नितिन त्रिवेदी, सुनील माहेश्वरी, प्रवीण सेन अध्यक्ष, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी शहर, भानुप्रताप वर्मा अध्यक्ष, सुहेला, गुरुदयाल यादव ब्लॉक अध्यक्ष लवन, दयाराम वर्मा ब्लॉक अध्यक्ष, कसडोल,, दिवाकर मिश्रा ब्लॉक अध्यक्ष भाटापारा शहर, हर्मित भाटिया,ब्लॉक अध्यक्ष, सिमगा, जितेंद्र नवरत्न , नीलकंठ ध्रुव , विवेक यदु , जय ठाकुर , प्रभु टंडन, विकास पैकरा , गोविंद स्वरूप मिश्रा , राहुल नेगी , कमल पटेल, रामसुंदर जांगड़े, कालिंदी वर्मा, पद्मेश्वरी साहू सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

दो दिवसीय देवबलोदा महोत्सव आज से

भिलाई । नगर पालिक निगम भिलाई चरौदा के तत्वाधान में दो दिवसीय लोकरंगी आयोजन देवबलौदा महोत्सव 15एवं 16 फरवरी को रखा गया है । कलचुरी कालीन शिव मंदिर देवबलौदा (बी.एम.वाय) के पवित्र स्थल पर महाशिव रात्रि पर्व के अवसर पर दो दिवसीय मेला एवं लोकरंगी आयोजन रखा गया है । जिसमें प्रथम दिवस 15 फरवरी को कार्यक्रम मुख्य अतिथि विजय बघेल जी सांसद दुर्ग एवं राजमहंत डोमन लाल कोर्सेवाड़ा जी की अध्यक्षता एवं द्वितीय दिवस 16 फरवरी 2026 दिन सोमवार को मुख्य अतिथि माननीय श्री भूपेश बघेल जी, पूर्व मुख्यमंत्री एवं राजमहंत डोमनलाल कोर्सेवाड़ा जी विधायक अहिवारा विधानसभा की अध्यक्षता में एवं माननीय महापौर निर्मल कोसरे जी , माननीय सभापति ृष्णा चन्द्राकर जी एवं समस्त नगर पालिक निगम भिलाई चरौदा के जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में सम्पन होना है । कार्यक्रम में 15 फरवरी दिन रविवार को सांध्य कालीन में स्वरधारा का कार्यक्रम एवं रात्रिकालीन में लोकसंगीत नाईट शो सुनील सोनी का एवं 16 फरवरी दिन सोमवार का सांध्यकालीन स्वर संगीत का कार्यक्रम एवं रात्रिकालीन चिन्हारी लोक मंजीरा पायल साहू का कार्यक्रम रखा गया है ।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com